



काम की अधिकता नहीं, अनियमितता
आदमी को मार डालती है।

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा

वर्ष-32 अंक-236

नर्मदापुरम् (होशंगाबाद) शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये

सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

चक्रवात अर्नब से आंध्र प्रदेश में 8 लोगों की मौत, 15 हजार बिजली के खंभे गिरे, 13 जिलों में बाढ़ की चेतावनी

-70 हजार हेक्टेयर से अधिक धान की फसल प्रभावित; मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता

अमरावती (आरएनएस)। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान 'अर्नब' आंध्र प्रदेश के तट से टकराने के बाद कमजोर पड़ गया है। हालांकि, तूफान ने आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के यानम क्षेत्र में भारी तबाही मचाई है। आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलों में तूफान के कारण आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। खेतों में खड़ी फसलों को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के 13 जिलों में बाढ़ की चेतावनी जारी की है। तूफान के कमजोर पड़ने के बावजूद कई राज्यों में भारी बारिश का खतरा बना हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात बुधवार सुबह आंध्र प्रदेश के तट पर बापटला और विशाखापट्टनम के बीच, यानम के दक्षिण-पश्चिम में नरसापुर के आसपास पहुंचा था। तट से टकराने के दौरान हवा की गति 125 से 150 किलोमीटर प्रति घंटा तक दर्ज की गई, जिसके कारण यह अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान बन गया था। बाद में इसकी तीव्रता कम हुई और यह गहरे अवदाब में बदल गया। गुरुवार को इसका प्रभाव उत्तरी आंध्र प्रदेश, दक्षिणी ओडिशा, दक्षिणी छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर तेलंगाना के आसपास बना हुआ था। इन क्षेत्रों में भारी बारिश की आशंका जताई गई है।

चक्रवात के दौरान हुए हादसों में आठ लोगों की जान चली गई। पश्चिम गोदावरी जिले के भीमावरम में बिजली का खंभा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। विशाखापट्टनम के गोशाला और बालाजीनगर में दो महिलाओं की जान चली गई। कोनासीमा जिले के साकेनेतिपल्ले मंडल और प्रकाशपुरम में



कच्चे मकान की छत गिरने से एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई। वहीं, विशाखापट्टनम के मंगलापालेम और अनकापल्ली जिले के येल्लामंचिली में दो महिलाएं घर के बाहर गिरे खुले बिजली के तारों की चपेट में आकर करंट लगने से मारी गईं। चक्रवात से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आंध्र प्रदेश में लगभग 70,900 हेक्टेयर धान की फसल और 10,450 हेक्टेयर बागवानी फसलों प्रभावित हुई हैं। राज्य में करीब 180 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि लगभग 15 हजार बिजली के खंभे गिर गए। तूफान के कारण 25 लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं की आपूर्ति प्रभावित हुई। अप्पाडा तटीय सड़क पानी में डूब

गई। पश्चिम गोदावरी जिले में लगभग चार हजार पेड़ उखड़ गए, जबकि यानम में भी सैकड़ों पेड़ों और बिजली के खंभों को नुकसान पहुंचा है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने चक्रवात के कारण जान गंवाने वालों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने प्रभावित परिवारों के लिए राहत उपायों का भी ऐलान किया और कहा कि प्रभावित जिलों में गुरुवार से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री गुरुवार को कोनासीमा और पश्चिम गोदावरी जिलों का दौरा कर नुकसान का जायजा लेंगे। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी चक्रवात से उत्पन्न स्थिति और राज्य में हुए नुकसान की जानकारी दी है। चक्रवात 'अर्नब' का प्रभाव आंध्र प्रदेश से आगे भी बने रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने 31 अक्टूबर तक पश्चिम बंगाल में भारी बारिश का अनुमान जताया है। तेलंगाना के नलगोंडा, सूर्यपेट, खम्मम, कोटागुडेम, मुलुगु और महबूबाबाद सहित पूर्वी जिलों में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। आंध्र प्रदेश के बापटला, गुंटूर, एनटीआर, कृष्णा, एलुरु, पूर्वी गोदावरी, काकीनाडा, अल्लूरी सीताराम राजू, विशाखापट्टनम, विजयनगरम, अनकापल्ली, पार्वतीपुरम मन्यम और पश्चिम गोदावरी जिलों में बाढ़ आने की आशंका जताई गई है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश और दिल्ली में भी चक्रवात के प्रभाव से मौसम में बदलाव और बारिश होने की संभावना है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता बरतने और राहत एवं बचाव कार्य की तैयारियां जारी रखने पर जोर दिया है।



संच लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष अजय कुमार ने आयोग के सदस्यों के साथ नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

उत्तर प्रदेश में हिंसा करने वालों को नहीं मिलेगी सरकारी नौकरी, जानकारी छिपाई तो नियुक्ति होगी रद्द

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। राज्य सरकार ने सरकारी नौकरी के लिए चयनित अभ्यर्थियों के चरित्र सत्यापन से जुड़ी नई नीति जारी की। इसमें कहा गया है कि हिंसा में शामिल लोगों को, जिनका मकसद सत्ता परिवर्तन लाना है, सरकारी नौकरी से वंचित किया जा सकता है। साथ ही आपराधिक मामलों में आरोप तय होने की भी जानकारी दी गई है। नियुक्ति विभाग के प्रधान सचिव एम देवराज द्वारा जारी एक निर्देश के अनुसार, सरकारी विभागों, निगमों, परिषदों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती पर ये नियम लागू होंगे। संशोधित नीति के तहत, सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से की गई हिंसक गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले उम्मीदवारों को सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य माना जा सकता है।

मामलों में आरोप तय होने की भी जानकारी दी गई है। नियुक्ति विभाग के प्रधान सचिव एम देवराज द्वारा जारी एक निर्देश के अनुसार, सरकारी विभागों, निगमों, परिषदों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती पर ये नियम लागू होंगे। संशोधित नीति के तहत, सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से की गई हिंसक गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले उम्मीदवारों को सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य माना जा सकता है।

सरकार का बड़ा फैसला, कैसर की दवाओं के 93 फीसदी तक घटाए दाम, नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी



नई दिल्ली (आरएनएस)। कैसर के इलाज को सस्ता और आम लोगों की पहुंच में लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कैसर रोधी दवाओं के 543 ब्रांड की संशोधित अधिकतम खुदरा कीमतें जारी की हैं। नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी। सरकार ने 137 ऐसी कैसर रोधी दवाओं पर व्यापारिक लाभांश को 30 प्रतिशत तक सीमित करने का निर्णय लिया है, जिनकी कीमतें पहले निर्धारित अधिकतम सीमा के अंतर्गत नहीं आती थीं। इस कदम का उद्देश्य दवाओं की आपूर्ति और बिक्री श्रृंखला में अत्यधिक लाभांश को कम करना तथा मरीजों को जरूरी दवाएं कम कीमत पर उपलब्ध कराना है। औषध विभाग के अनुसार, संशोधित मूल्य सूची में दवा कंपनियों की ओर से 27 अक्टूबर तक उपलब्ध कराई गई जानकारी को शामिल किया गया है।

मध्य प्रदेश के शिवपुरी में दो बहनों ने चार बच्चों के साथ की आत्महत्या, छह की मौत से पसरा मातम

शिवपुरी (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में बुधवार को दो अलग-अलग घटनाओं में दो सगी बहनों और उनके चार बच्चों की मौत से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। बैराड़ थाना क्षेत्र के गूंगरगांव और कोलारस थाना क्षेत्र के सेसईपुरा गांव से जुड़ी इन घटनाओं में दोनों महिलाओं ने अपने बच्चों के साथ कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इनमें से एक महिला आठ माह की गर्भवती थी। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, पहली घटना बुधवार दोपहर बैराड़ थाना क्षेत्र के गूंगरगांव में हुई। यहां 35 वर्षीय अंजलि ने अपने छह वर्षीय बेटे प्रशांत के साथ आत्महत्या कर ली। अंजलि आठ माह की गर्भवती थी। बताया गया है कि उसके पति धरमवीर रावत की करीब एक माह पहले सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसके बाद से वह गहरे सदमे और मानसिक तनाव में थी घटना के समय अंजलि अपनी तीन बेटियों को भी साथ लेकर गई थी। बताया जाता है कि उनमें से एक बेटी ने किसी तरह अपना हाथ छुड़ाया और वहां से भागकर घर पहुंची। उसने परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिससे अन्य बच्चों की जान बच गई। इस घटना में अंजलि, उसके बेटे और गर्भ में पल रहे शिशु की मौत हो गई।पहली घटना के बाद क्षेत्र के लोग सदमे में थे कि बुधवार शाम को दूसरी घटना की खबर सामने आई।

चुनाव आयोग को 6 राज्यों में एसआईआर के दौरान मिले सिर्फ 1,600 विदेशी मतदाता



नई दिल्ली (आरएनएस)। निर्वाचन आयोग की ओर से कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जारी विवाद के बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि छह राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान करीब 1,600 विदेशी नागरिकों की पहचान हुई है। इन राज्यों में कुल 9.86 करोड़ मतदाता दर्ज थे। रिपोर्ट के अनुसार, पहचाने गए विदेशी नागरिकों की संख्या कुल मतदाताओं की तुलना में लगभग 0.02 प्रतिशत है। इस खुलासे के बाद मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के उद्देश्य और इसके दौरान अपनाई गई प्रक्रिया को लेकर चर्चा तेज हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्वाचन आयोग ने पिछले

वर्ष बिहार से विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत करते समय मतदाता सूची में शामिल अवैध विदेशी नागरिकों की पहचान को इसका एक प्रमुख उद्देश्य बताया था। हालांकि, छह राज्यों से प्राप्त आंकड़ों में विदेशी नागरिकों की संख्या कुल मतदाताओं के मुकाबले काफी कम बताई गई है। ध्यान देने वाली बात यह है कि विदेशी नागरिकों की पहचान और मतदाता सूची में नाम होने की पुष्टि अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। केवल विदेशी नागरिक होने के आधार पर किसी व्यक्ति के मतदाता सूची में नाम होने की स्थिति या उसके मतदान करने के संबंध में अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। रिपोर्ट के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने उन 26 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से संपर्क किया, जहां विशेष गहन पुनरीक्षण पूरा हो चुका था या मतदाता सूची का प्रारूप जारी किया जा चुका था। इनमें से 11 राज्यों के अधिकारियों ने जवाब दिया। छह राज्यों ने विदेशी नागरिकों की संभावित संख्या बताई, जबकि चार राज्यों ने कहा कि वे इस संबंध में अलग से आंकड़े नहीं रखते।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि उसने राज्यों से विदेशी नागरिकों की संख्या के आंकड़े न तो मांगे थे और न ही उन्हें अलग से एकत्र करने का निर्देश दिया था।

विधान परिषद चुनाव में राजग को 16 और विपक्षी गठबंधन को 9 सीटें मिले

चार राज्यों की 28 सीटों के नतीजे घोषित

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। देश के चार राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक में विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के चुनावों के नतीजे सामने आ गए हैं। स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की कुल 28 सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतपत्रों के माध्यम से मतदान हुआ था। 27 अक्टूबर से मतगणना के परिणाम आने शुरू हुए। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन

भाजपा को 12 सीटें; उत्तर प्रदेश में सपा का प्रदर्शन बेहतर, कर्नाटक में कांग्रेस का खाता नहीं खुला

(राजग) ने 16 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) को नौ सीटें मिलीं। शेष तीन सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की।चारों राज्यों के नतीजों में अलग-अलग राजनीतिक दलों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। उत्तर प्रदेश में भाजपा और समाजवादी पार्टी ने लगभग बराबर प्रदर्शन किया, जबकि बिहार में निर्दलीय उम्मीदवारों ने दो सीटें जीतीं। महाराष्ट्र में कांग्रेस, भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग-अलग गुटों को सफलता मिली। वहीं, कर्नाटक में भाजपा ने अपनी तीन सीटें बरकरार रखीं और जनता दल (सेक्युलर) ने एक सीट जीती। देश के छह राज्यों में विधान परिषदें हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश शामिल हैं।

पति की दीर्घायु और परिवार की सुख समृद्धि को लेकर सुहागनों ने रखा निर्जला व्रत



करवा चौथ पर चांद ने छकाया व्रतधारी महिलाओं को, बना रहा बादलों का डेरा

नर्मदापुरम (निप्र)। पति की दीर्घायु और अपने परिवार की सुख समृद्धि को लेकर सुहागन महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा। कार्तिक माह की चतुर्थी के अवसर पर करवा चौथ का व्रत रखने वाली महिलाओं ने सुबह से लेकर शाम तक अपने गृह कार्य करते हुए शाम को पूजन की तैयारी की। इसके बाद सूर्यास्त होने के बाद चांद निकलने का इंतजार किया जाने लगा था। लेकिन आसमान पर बादलों का डेरा जमा रहा। चांद ने खूब छकाया। चांद ने महिलाओं के धैर्य की परीक्षा ली। दो दिन से ही बादल छा रहे हैं। जिससे महिलाओं को चांद के दीदार करने में परेशानी

हुई। चांद निकलने वाले समय पर पूजन की शुरुआत हुई। व्रत महिलाएं कर रही थी लेकिन पूरा परिवार इस पर्व को मनाने में उत्साहित रहा।

चांद के लिए होते रहे उतावले

अनेक महिलाओं के परिजन बार बार छत पर या किसी ऊँचे स्थान पर पहुंच कर चांद देखने के लिए उतावले हो रहे थे। छत पर चांद निकलने का इंतजार होता रहा। लेकिन बादलों ने चांद को अपनी आगोश में लेकर वृत्तधारी महिलाओं को खूब छकाया। इस मौके पर कई महिलाओं ने एक ही स्थान पर एकत्रित होकर पहले तुलसी की उसके बाद चांद और फिर अपने पति की पूजन की। उसके बाद व्रत खोला।

छतों पर रहा जमावड़ा

महिलाओं के इस विशेष व्रत के इस अवसर पर अधिकांश छतों पर व्रतधारी महिलाओं के साथ उनके परिजनों का जमावड़ा लगा हुआ था। छत पर पूजन के लिए चौक पूर कर तुलसी कोट रखा गया। इसके साथ ही करवा, छत्ती और सींक की डंडियां रखी हुई थी।

कई छतों पर शाम होते ही रौनक बढ़ गई थी। दूसरी ओर अधिकांश व्रतधारी महिलाओं ने अपने पूजन थाल सजा कर स्वयं तैयार होकर देवी देवताओं की पूजन अर्चन के साथ ही पति परमेश्वर की पूजन की। चांद को अर्घ्य देने के बाद चांद और पति के एक साथ छत्ती को सामने रख कर दर्शन किए। तदोपरांत पति के हाथ से पानी का घूंट पीकर व्रत खोला गया।

बाजार में खूब हुई बिक्री

करवा चौथ के अवसर पर बाजार में बीते कुछ दिनों से रौनक बनी हुई थी। इसके बावजूद भी बाजार में बड़ी संख्या में महिलाएं खरीददारी करने के लिए पहुंची। बाजार में पूजन सामग्री और सौंदर्य सामग्री की खासी बिक्री हुई।



भारत में साइबर हमलों से एनबीएफसी कंपनियों को 300 करोड़ रुपये का नुकसान, 150 शिकायतें दर्ज

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में पिछले दो महीनों के दौरान हुए साइबर हमलों में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से करीब 300 करोड़ रुपये की कथित निकासी का मामला सामने आया है। इन घटनाओं के संबंध में लगभग 150 शिकायतें दर्ज की गई हैं या प्राथमिकी दर्ज हुई हैं। प्रभावित कंपनियों में ज्यादातर छोटी ऋा देने वाली संस्थाएं शामिल हैं। पिछले छह सप्ताह के दौरान साइबर हमलों में तेजी आई है और कुछ कंपनियों को एक से अधिक बार निशाना बनाया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, साइबर हमलों से प्रभावित अधिकांश गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का सालाना कारोबार करीब एक हजार करोड़ रुपये या इससे कम है। जांच अधिकारियों ने इन कंपनियों की सुरक्षा व्यवस्था में कई खामियां पाई हैं। इन कमजोरियों का फायदा उठाकर साइबर अपराधियों ने भुगतान प्रणालियों को निशाना बनाया और बड़ी रकम निकालने में सफलता हासिल की। जांच से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली स्थित एक कंपनी को पहली साइबर घटना में कथित तौर पर 7.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसके कुछ दिन बाद ही कंपनी पर दोबारा हमला किया गया, जिसमें लगभग 7.25 करोड़ रुपये की राशि निकाल ली गई। इस तरह कंपनी को दोनों घटनाओं में कुल 14.75 करोड़ रुपये का नुकसान होने की बात सामने आई है। शिकायतों के शहरवार आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में करीब 30, दिल्ली में 25 से अधिक और चेन्नई में 15 से 16 मामले दर्ज किए गए हैं। इन घटनाओं की जांच की जा रही है। हालांकि, कथित तौर पर निकाली गई कुल 300 करोड़ रुपये की राशि के संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक आकलन उपलब्ध नहीं है।

शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

55 दिन से टेंट में विराजमान खड़े हनुमान, रात में स्कैनिंग करने पहुंचा प्रशासन, भक्तों में आक्रोश



उज्जैन (ए.) । कंठाल चौराहे से छत्री चौक रोड चौड़ीकरण के लिए हटाए गए प्राचीन खड़े हनुमान मंदिर का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। 55 दिन से 8 फीट ऊंची प्राचीन प्रतिमा टेंट के नीचे विराजमान है। इस बीच प्रशासन समथान निकालने के बजाय रातों-रात कार्रवाई में जुटा है। सोमवार देर शाम प्रशासनिक टीम विशेष मशीनों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ मंदिर पहुंची और

नेहा पच्चीसिया: निलबित सीएसपी नेहा के मामले में हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित, अग्रिम जमानत की लगाई है गुहार

जबलपुर (ए.) । कटनी की फरार सीएसपी नेहा पच्चीसिया की एफआईआर निरस्त करने और अग्रिम जमानत देने की मांग वाली याचिका पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस आनंद कुमार पाठक और जस्टिस राम कुमार चौबे की युगलपीठ में याचिका पर दो दिन सुनवाई हुई।

नेहा पच्चीसिया सहित तीन आरोपियों के खिलाफ कटनी के कुठला थाने में धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। मामले में लुक आउट नोटिस भी जारी किया गया है। आरोप है कि कुठला थाना क्षेत्र में हत्या के एक मामले में निर्धारित समय पर चालान पेश नहीं होने से आरोपी को डिफॉल्ट जमानत मिल गई थी। इसके बदले सीएसपी ने आरोपियों की जमीन कथित तौर पर कम कीमत पर अपने एजेंट के नाम से खरीदी। विभागीय जांच के बाद उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया (याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि विवादित जमीन की खरीद-फरोख्त में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। जमीन मारुफ अहमद हनफी के नाम पर खरीदी गई थी और शक्तिज राज पात्रे ने उनके बैंक खाते में राशि ट्रांसफर की थी।

प्रादेशिक समाचार

प्रतिमा को स्कैनिंग शुरू कर दी।बताया जा रहा है कि एसडीएम एलएन गर्ग सहित अधिकारियों की टीम करीब डेढ़ घंटे तक मौके पर मौजूद रही। स्कैनिंग के जरिए यह पता लगाने की कोशिश की गई कि प्रतिमा का आधार जमीन के अंदर कितनी गहराई तक है और नीचे की संरचना कैसी है। सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन की मंशा प्रतिमा को टंकी चौक के पास बने नए मंदिर में शिफ्ट करने की है।समाजसेवी संतोष व्यास ने दावा किया कि जांच के दौरान चमत्कार जैसा नजारा देखने को मिला। कुछ स्थानों पर उपकरण लगाते ही उनकी बैटरी अचानक डिस्चार्ज हो गई। अधिकारियों को मशीनें दोबारा चार्ज करनी पड़ीं। इसके बाद टीम बिना कोई आधिकारिक बयान दिए लौट गई।सार्वजनिक सूचना के गुपचुप तरीके से जांच क्यों कर रहा है? अगर जांच करनी ही थी तो दिन में पारदर्शी तरीके से पुजारी और भक्तों की मौजूदगी में करनी चाहिए थी। रात में इस तरह की कार्रवाई से श्रद्धालुओं में भ्रम और आक्रोश पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्कैनिंग की रिपोर्ट और संबंधित कागजात अधिकारियों से ले लिए गए हैं, ताकि बाद में अधिकारी अपने बयान से मुकर न सकें।

करवा चौध पर पति ने मूसली से पत्नी का सिर कुचलकर की हत्या, खुद पुलिस को फोन कर दी सूचना

ग्वालियर (ए.) । करवा चौथ का व्रत रखने वाली पत्नी को उसके पति ने मूसली से सिर पर ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। वारदात मुरार थाना क्षेत्र के त्यागी नगर स्थित डिफेंस स्कूल के पास गुरुवार सुबह हुई। आरोपी पति आनंद ने घरेलू विवाद के बाद पत्नी मधु श्रीवास्तव के सिर पर मसाला कूटने वाली मूसली से कई वार किए, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ने खुद पुलिस को फोन कर इस हत्याकांड की जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

विवाद के बाद मूसली से हमला

पति-पत्नी के बीच गुरुवार सुबह किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ था। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने पहले अपनी पत्नी का गला घोंटा और फिर घर में रखी मूसली से उसके सिर पर कई हमले किए। मूसली के प्रहार से महिला का सिर बुरी तरह कुचल गया और उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना के समय घर के दूसरे कमरे में मृतका की भाभी तथा उसके दोनों बच्चे मौजूद थे। हालांकि, उन्होंने किसी तरह के चीखने-चिल्लाने की आवाज नहीं सुनने की बात कही है। बच्चे फिलहाल बेहद सदमे में हैं और बात करने की स्थिति में नहीं हैं, जिससे विवाद के मुख्य कारण का सही पता नहीं चल सका है।

मां पर तेंदुए ने किया हमला, जान की बाजी लगाकर भिड़ गया बेटा

छिंदवाड़ा(ए.)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के सांवरी वन परिक्षेत्र के मुजावर माल से गुरुवार एक ऐसी घटना सामने आई है, जहां मां पर तेंदुए को हमला करते देख बेटा अपनी जान की परवाह किए बिना उससे भिड़ गयाकरीब 25 से 30 मिनिट तक तेंदुए और युवक के बीच संघर्ष चलता रहा बेटे ने हिम्मत दिखाते हुए मां को तेंदुए के चंगुल से बचा लिया लेकिन इसके बाद तेंदुए ने बेटे पर भी हमला कर दिया। आखिरकार तेंदुआ युवक को छोड़कर बकरी को अपने साथ ले भागा। इस घटना में मां और बेटा दोनों घायल हो गए हैं, जिनका अस्पताल में उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।घटना सांवरी वन परिक्षेत्र के मुजावर माल की है। जानकारी के मुताबिक, महिला गीता के मकान से करीब 100 मीटर की दूरी पर बकरियों को रखने के लिए कोठा बना हुआ है।

सफलता की कहानी - प्राकृतिक खेती से महिला कृषक माया कोरी ने घटाई खेती की लागत,मटर के उत्पादन में किया सुधार



गांव के किसानों को भी कर रहीं प्रेरित

जबलपुर (ए.)। रासायनिक खाद और कीटनाशकों पर बढ़ते खर्च के बीच प्राकृतिक खेती किसानों के लिए एक विकल्प बनकर उभर रही है। जबलपुर जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम कोनी कला की महिला कृषक माया कोरी ने प्राकृतिक खेती अपनाकर खेती की लागत कम करने और मटर के उत्पादन में सुधार की दिशा में प्रयास किए हैं। वे 1.5 एकड़ जमीन पर मटर और मक्का की खेती करती हैं। कृषि विभाग की आत्मा परियोजना की संचालक डॉ. इंदिरा त्रिपाठी के मार्गदर्शन में प्राकृतिक खेती की तकनीक सीखकर वे अब स्वयं इनका उपयोग कर रही हैं और गांव के अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित कर रही हैं। माया कोरी बताती हैं कि पहले वे पारंपरिक तरीके से खेती करती थीं। लगातार रासायनिक खाद और कीटनाशकों के इस्तेमाल से खेती की लागत बढ़ रही थी,

विज्ञान पर फोकस से स्थानीय उत्पादन को मिल रहा बढ़ावा, बायोइकोनॉमी बीते 12 वर्षों में 19 गुना बढ़ी : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली (आरएनएस) । केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि मोदी सरकार की ओर से विज्ञान पर फोकस बढ़ाने से स्थानीय उत्पादन को सपोर्ट मिल रहा है और देश की बायोइकोनॉमी बीते 12 वर्षों में करीब 19 गुना बढ़ गई है। इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव (ईएसटीआईसी) के साइडलाइन में मोडिया से बातचीत में सिंह ने कहा कि सरकार की ओर से पिछले कई वर्षों में विज्ञान पर फोकस करने से कई ऐसे डिवाइस देश में ही स्थानीय स्तर पर बनने लगी हैं, जिन्हें पहले बाहर से आयात किया जाता था।उन्होंने आगे बताया कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने अपनी पहली स्वदेशी रिसर्च शिप को निर्मित किया है और इसे कोलकाता बंदरगाह से लॉन्च किया है। इसी तरह परमाणु क्षेत्र में हम फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के जरिए आगे बढ़ गए हैं। इन सभी उपलब्धियों का ईएसटीआईसी को दिखाया गया है , जिससे आम लोगों इसी जानकारी मिल सके और पक्षकार भी लाभ उठा सकें। उन्होंने आगे कहा कि ईएसटीआईसी जैसे प्रयासों से विकसित भारत के लक्ष्यों को पाने की गति में वृद्धि होगी। साथ ही, बीते 70 वर्षों में जितने काम हुए हैं, उससे ज्यादा पीएम मोदी के 10 वर्ष के कार्यकाल में हो चुके हैं। उदाहरण देते हुए कहा कि देश की बायोइकोनॉमी 2014 में 10 अरब डॉलर की थी, जो कि अब 195 अरब डॉलर हो गई है। स्पेस इकोनॉमी 9 अरब डॉलर की हो गई है, जो कि 2014 में करीब शून्य थी। उन्होंने आगे कहा कि यह परिणाम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ऐसे निर्णय लेने से आए हैं, जिसकी पहले किसी ने कल्पना नहीं की थी। इसमें न्यूक्लियर और स्पेस क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलना शामिल है। वहीं, ईएसटीआईसी 2026 कार्यक्रम पर बातचीत करते हुए सिंह ने कहा कि इस पिछले साल शुरू किया था। इस साल इसका दूसरा चरण आयोजित किया जा रहा है। यह तीन दिन का कार्यक्रम में है। मंगलवार को इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किया गया था।

भारतीय शेयर बाजार मजबूती के साथ खुला, मीडिया और आईटी स्टॉक्स में खरीदारी

मुंबई (आरएनएस) । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ खुला। सुबह 9ऽ25 पर सेंसेक्स 156 अंक या 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73,401 और निफ्टी 36 अंक या 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,743 पर था।

शुरुआती कारोबार में बाजार में तेजी को सहारा मीडिया और आईटी शेयरों से मिल रहा था। सूचकांकों में निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी, निफ्टी पीएसवू बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर गेनर्स थे।

दूसरी तरफ निफ्टी ऑटो, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग लूजर्स थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखी जा रही थी। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 60 अंक या 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,695 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 167 अंक या 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 57,441 पर था।

सेंसेक्स पैक में अदानी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, टीसीएस, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, इन्फोसिस, एचयूएल, बीईएल, टेक महिंद्रा, एसबीआई, सन फार्मा, इंडिगो, भारती एयरटेल और एक्सिस बैंक गेनर्स थे। स्टेट, एलएंडटी, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और इटरनल लूजर्स थे।

वैश्विक बाजारों में मिलानुवाला कारोबार हो रहा था। शंघाई, हांगकांग, सोल और जकार्ता लाल निशान में थे। वहीं, टोक्यो हरे निशान था। अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान में बंद हुए थे।

त्यापार समाचार

भारतीय उत्पादों को ग्लोबल स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना जरूरी : पीयूष गोयल

नई दिल्ली (आरएनएस) । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय उत्पादों और सेवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग से जुड़े लोगों के साथ लगातार संवाद बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि भारत की एक भरोसेमंद व्यापारिक साझेदार के रूप में पहचान मजबूत हो सके। पीयूष गोयल ने यहां एक्सपोर्ट प्रमोशन कार्डिसल के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत में वैश्विक व्यापार के बदलते माहौल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, टैरिफ संरचना में बदलाव, सप्लाई चेन के पुनर्गठन और बड़े अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई नियामक जरूरतों के कारण कारोबार का माहौल तेजी से बदल रहा है।वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, पीयूष गोयल ने कहा कि जहां वे बदलाव नियंत्रणों के लिए चुनौतियां लेकर आते हैं। वहीं ये भारत के लिए खुद को एक विश्वसनीय और प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यापारिक भागीदार के रूप में मजबूत करने के अवसर भी हैं।केंद्रीय मंत्री ने भारतीय उद्योग को बदलते अंतरराष्ट्रीय कारोबारी माहौल के प्रति चुस्त और संवेदनशील बने रहने की सलाह दी। उन्होंने निर्यातकों को प्रोडक्ट की गुणवत्ता सुधारने, इनोवेशन, लागत प्रतिस्पर्धा, सप्लाई की विश्वसनीयता और

देशी घी के दामों में उछाल : 15 किलो का टिन 400 रुपए तक महंगा, झड़ेवाला फूड्स ने उतारा फेस्टिव गिफ्ट कलेक्शन

जयपुर (ए.) । आगामी दीपावली और त्योहारी सीजन के चलते घरेलू बाजार में देशी घी की मांग में भारी तेजी देखने को मिल रही है, जिसके चलते सभी प्रमुख ब्रांडेड घी के थोक एवं खुदरा भावों में जोरदार मजबूती दर्ज की गई है। बीते मात्र दो माह के अंतराल में देशी घी की कीमतों में करीब 400 रुपए प्रति टिन (15 किलोग्राम) तक का बड़ा उछाल आ चुका है।

इस समय उत्तर भारत भर के प्रमुख डेयरी और घी निर्माण प्लांटों में प्रतिदिन लगभग 80 लाख लीटर कच्चे दूध की आवक दर्ज की जा रही है, जिससे दैनिक स्तर पर करीब 500 टन देशी घी और लगभग 650 टन मिल्क पाउडर का उत्पादन किया जा रहा है। हालांकि, भारी मांग और खपत के दबाव के चलते बाजार में आपूर्ति और कीमतों का संतुलन लगातार तेजी के रुख की ओर बना हुआ है।

इस त्योहारी मिठास और मांग के बीच प्रदेश की अग्रणी एफएमसीजी निर्माता कंपनी झंडेवाला फूड्स लिमिटेड ने दीपावली के पावन अवसर पर उपभोक्ताओं के लिए नमन विरासत नाम से अपना विशेष और आकर्षक फेस्टिव गिफ्ट कलेक्शन आधिकारिक रूप से बाजार में पेश कर दिया है। कंपनी ने इस बार त्योहारी उपहारों की श्रेणी में नवाचार करते हुए अपने नमन विरासत कलेक्शन में प्रीमियम घी गिफ्ट हैम्पर्स के साथ पारंपरिक देशी घी और शुद्ध केसर के कॉन्बो पैक को विशेष रूप से शामिल किया है। उत्पाद श्रृंखला को लॉन्चिंग के अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) राकेश बी. कूलवाल ने अभियान की रूपरेखा साझा करते हुए कहा कि नमन विरासत कैंपेन का मुख्य संदेश और सोच यह है कि इस दिवाली घी दो, री-गिफ्ट नहीं होगा। उन्होंने बताया कि आम तौर पर लोग मिठाइयों या सूखे मेवों के ऐसे डिब्बे उपहार में देते हैं जिन्हें आगे किसी और को दे दिया जाता है, जबकि देशी घी और केसर जैसी रोजमर्रा व स्वास्थ्य से जुड़ी उपयोगी वस्तुएं घर में ही सम्मान के साथ उपभोग में ली जाती हैं।



अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि ग्लोबल वैल्यू चेन में भारत की भागीदारी बढ़ सके।

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत को एक मैन्युफैक्चरिंग, सोर्सिंग और निवेश गंतव्य के रूप में देखने में दुनिया की रुचि बढ़ रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय उद्योग और विदेशी कारोबारियों के बीच लगातार बातचीत के जरिए इन संबंधों को ठोस कारोबारी नतीजों में

दैनिक क्षितिज किरण 3

रजत मुकुट और गुलाब के फूलों से सजे बाबा महाकाल, भस्म आरती में उमड़े श्रद्धालु

उज्जैन, (ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में गुरुवार तड़के भगवान महाकाल की भस्म आरती पारंपरिक विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुई। सुबह चार बजे मंदिर के पट खुलते ही गर्भगृह में पूजन-अभिषेक का क्रम शुरू हुआ। बाबा महाकाल का भांग, चंदन और त्रिपुंड से दिव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद रजत मुकुट, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित गुलाब के पुष्पों से भगवान को राजा स्वरूप में सजाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।मंदिर के पट खुलने के बाद पुजारियों ने गर्भगृह में विराजित देवी-देवताओं का पूजन किया। इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शहद, शकर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। पूजन के दौरान मंत्रोच्चार और धार्मिक परंपराओं के बीच भगवान का ध्यान किया गया।भस्म आरती की परंपरा के अनुसार प्रथम घंटाल बजाकर भगवान महाकाल को हरिओम जल अर्पित किया गया। इसके बाद कपूर आरती की गई। ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढँककर महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भस्म अर्पित की गई। धार्मिक मान्यता है कि भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार स्वरूप में भक्तों को दर्शन देते हैं।



जबकि उत्पादन और मुनाफे में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही थी। इसी दौरान वे कृषि विभाग की आत्मा परियोजना से जुड़ीं। विकासखंड प्रबंधक शिक्षा श्रीवास्तव और सहायक तकनीकी प्रबंधक सपना साकेत द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कृषि भ्रमण और संगोष्ठियों में शामिल होकर उन्होंने कृषि अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों से उन्नत खेती की तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाना शुरू किया।

जीवामृत, बीजामृत और नीमास्त्र का कर रहीं उपयोग –

वर्ष 2025–26 में माया कोरी ने प्राकृतिक खेती के क्लस्टर का गठन किया और कृषि सखी के रूप में कार्य करने लगीं। इस दौरान उन्होंने जीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र और दशपर्णी जैसे प्राकृतिक कृषि आदान तैयार करना और उनका उपयोग करना सीखा। मटर की बुवाई के समय वे बीजामृत और जीवामृत का इस्तेमाल करती हैं, जबकि फसल में कीटों के नियंत्रण के लिए आवश्यकतानुसार नीमास्त्र और दशपर्णी का छिड़काव करती हैं।

माया के अनुसार, प्राकृतिक कृषि आदानों के उपयोग से फसल में कीट एवं रोगों के प्रकोप को नियंत्रित करने में मदद मिली है। वहीं, रासायनिक आदानों पर निर्भरता कम होने से खेती की लागत में भी कमी आई है। उनका कहना है कि लगातार प्राकृतिक खेती करने से खेत की मिट्टी में सुधार दिखाई दे रहा है और मटर के दानों के आकार में भी वृद्धि हुई है।माया कोरी अपने अनुभवों के माध्यम से गांव के अन्य किसानों को भी प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। वे किसानों को प्राकृतिक कृषि आदान तैयार करने, उनका सही समय पर उपयोग करने और रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने के तरीकों की जानकारी देती हैं।

बदलना जरूरी है। उन्होंने एक्सपोर्ट प्रमोशन कार्डिसल को अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने, संभावित खरीदारों की पहचान करने और स्थापित और उभरते बाजारों में कारोबारी साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।पीयूष गोयल ने बदलती वैश्विक मांग और उभरते सप्टाई चेन अवसरों को देखते हुए प्रोडक्ट और बाजार विविधीकरण पर फोकस करने की जरूरत बताई। उन्होंने एक्सपोर्ट प्रमोशन कार्डिसल से कहा कि वे उन उत्पादों की पहचान करें जिनमें निर्यात की असीम संभावनाएं हैं, नए बाजार तलाशें और बाजार-विशेष रणनीति बनाएं। उन्होंने स्थापित क्षेत्रों में भारत के प्रतिस्पर्धी लाभों को मजबूत करने के साथ-साथ उभरते क्षेत्रों में क्षमताओं के निर्माण पर भी जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने कारोबार करने में आसानी को बेहतर बनाने, व्यापार बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और निर्यात करने वाले उद्यमों के सामने आने वाली चुनौतियों को दूर करने के लिए चल रहे प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन को एक महत्वपूर्ण पहल बताया, जो विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए निर्यात वित्त, बाजार पहुंच और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा से जुड़ी बाधाओं को दूर करने में मदद करेगा।

दिवाली से पहले सोना खरीदने वालों की मौज, चांदी सवा 2 लाख सस्ती



नई दिल्ली(ए.)। धनतेरस और दिवाली से पहले सोने-चांदी की खरीदारी करने की तैयारी कर रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। पिछले कई दिनों से कीमती धातुओं की कीमतों में जारी गिरावट का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोने और चांदी दोनों के भाव में कमजोरी देखने को मिली। सोना गिरकर करीब 1.42 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि चांदी की कीमत घटकर लगभग 1.92 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। कीमतों में आई इस गिरावट से उन उपभोक्ताओं को फायदा हो सकता है, जो त्योहारों के दौरान गहने खरीदने की योजना बना रहे हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में कितनी आई गिरावट ?

मंगलवार के कारोबार में एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 656 रुपये दृटकर 1,42,417 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखाई दिया। दिन के

दौरान इसकी कीमत 1,42,216 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई। इस तरह सोने में करीब 0.43 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

दूसरी ओर, चांदी की कीमतों में अधिक दबाव देखने को मिला। एमसीएक्स पर चांदी करीब 3,808 रुपये गिरकर 1,91,985 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। कारोबार के दौरान चांदी का भाव 1,91,516 रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गया। इस दौरान इसमें लगभग 2.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं पर दबाव

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का असर केवल भारतीय बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। कॉमेक्स पर मंगलवार को सोना करीब 0.54 प्रतिशत गिरकर 4,016.60 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता नजर आया। वहीं, चांदी लगभग 2.73 प्रतिशत दृटकर 52.855 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, व्याज दरों को लेकर अनिश्चितता, निवेशकों की कमजोर मांग और वैश्विक बाजार में मुतापानवसूली जैसी परिस्थितियों ने कीमती धातुओं की कीमतों को प्रभावित किया है। अब निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति और व्याज दरों को लेकर आने वाले संकेतों पर टिकी हुई है। इन फैसलों का असर आगे सोने और चांदी की कीमतों पर भी पड़ सकता है।



अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया

लूला की जीत से लैटिन अमेरिका में ‘डोनरो डॉक्ट्राइन’ लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति के मंसूबे पर पानी फिर गया है। आरोप है कि लूला को हराने में ट्रंप समर्थकों ने पूरा जोर लगा रखा था।

ब्राजील में तमाम चुनाव-पूर्व अनुमानों को धता बताते हुए लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा का फिर से राष्ट्रपति चुन लिया जाना दूरगामी वैश्विक महत्त्व की घटना है। तीन हफ्ते पहले प्रथम चरण के चुनाव में लूला धुर-दक्षिणपंथी उम्मीदवार फ्लावियो बोल्सोनारो से दो प्रतिशत वोट से पिछड़ गए थे। उसी रोज हुए संसदीय एवं प्रांतीय चुनावों में भी धुर-दक्षिणपंथी समूह को बड़ी जीत मिली थी। उसके मद्देनजर दूसरे चरण में लूला की जीत की संभावनाएं धूमिल थीं। लेकिन तीन हफ्तों में असाधारण चुनाव अभियान चला कर 80 वर्षीय लूला ने श्रमिक, मूलवासी, और प्रगतिशील तबकों की अभूतपूर्व गोलबंदी की।

उसका परिणाम उनकी जीत है, जिससे पूरे लैटिन अमेरिका में ‘डोनरो डॉक्ट्राइन’ लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया है। ट्रंप प्रशासन ने अपनी ‘सुरक्षा नीति’ में लैटिन अमेरिका में अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती-विहीन बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसमें उसे काफी सफलता मिली है। वहां एक के बाद दूसरे देश में ट्रंपवादी धुर-दक्षिणपंथी सरकारें हाल में सत्ता में आई हैं। अपवाद सिर्फ ब्राजील और मेक्सिको हैं। इसीलिए ब्राजील का चुनाव बेहद अहम हो गया था। गुजर हफ्तों में ऐसी खबरें आई कि पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लेवियो के समर्थन में अमेरिका की बड़ी तकनीक कंपनियों ने अपनी पूरी ताकत लगाई है।खासकर मेटा के विभिन्न प्लेटफॉर्मस पर बोल्सोनारो समर्थक सामग्रियों को खूब प्रसारित करने और लूला समर्थक सामग्रियों को प्रतिबंधित करने के आरोप लगे। ब्राजील का अभिजात्य वर्ग भी बोल्सोनारो के पक्ष में लामबंद था। चुनाव के दिन इलज़ाम लगे कि कई राज्यों के दक्षिणपंथी नेताओं ने जानबूझ कर परिवहन सेवाओं में कटौती की। इतनी कि ऐरे वक्त पर अदालत को मतदान का समय दो घंटे बढ़ाने का निर्णय देना पड़ा। यानी प्रतिकूल परिस्थितियों में लूला की संघर्ष भावना की जीत हुई है। इससे ब्रिक्स+ राहत की सांस लेगा। अंदेशा था कि बोल्सोनारो जीतते, तो विकासशील देशों के इस संगठन को कमजोर करने के ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ाते। साथ ही लूला की जीत से उदारपंथी समूह उत्साहित होंगे, जो दुनिया भर में इस समय धुर-दक्षिणपंथ के आक्रामक तेवर के निशाने पर हैं।

पंखों को मिली रफ्तार: सरस्वती साइकिल योजना से बेटियों की शिक्षा की राह हुई आसान

गांव की पगड़डियों और लंबी सड़कों से होकर स्कूल पहुंचने वाली बेटियों के लिए एक साइकिल केवल दो पहियों का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा तक पहुंचने की राह आसान करने वाली साथी बन सकती है। घर से विद्यालय की दूरी, आने-जाने में लगने वाला समय, बदलता मौसम और परिवहन साधनों की कमी जैसी चुनौतियों के बीच सरस्वती साइकिल योजना दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय पहुंचने में मदद कर रही है। सतगुजा जिले के बातौली विकासखंड स्थित शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राएं रजनी एक्का, गायत्री यादव, सोनिया, रजनी साहू और नीतू यादव भी इस बदलाव को अपने जीवन में महसूस कर रही हैं। कभी स्कूल पहुंचने के लिए पैदल लंबी दूरी तय करने वाली इन छात्राओं के लिए साइकिल मिलने के बाद आवागमन आसान हुआ है। समय की बचत हो रही है और किसी दूसरे व्यक्ति पर निर्भरता भी कम हुई है।

साइकिल नहीं, शिक्षा तक पहुंच आसान करने का माध्यम

छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से कक्षा 9वीं में अध्ययनरत पात्र छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा देने के साथ बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना है।

योजना का महत्व विशेष रूप से उन ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देता है, जहां घर और विद्यालय के बीच दूरी अधिक है तथा सार्वजनिक परिवहन के साधन सीमित हैं। ऐसी परिस्थितियों में प्रतिदिन पैदल स्कूल आना-जाना छात्राओं के लिए समय और श्रम दोनों की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होता है। साइकिल मिलने से यही दूरी कम समय में तय की जा सकती है।

मेघ राशि : आज का दिन फेब्रेबल रहने वाला है। आज जीवनसाथी के साथ आपको नजदीकियां बढ़ेंगी। स्वास्थ्य में चल रही समस्याओं को आप नजर अंदाज ना करें और किसी अपरिचित व्यक्ति से बहुत ही सूझबूझ दिखा कर बातचीत करें। आप अपने किसी पुराने वाद विवाद के कारण थोड़े परेशान रहेंगे, जिसमें आपको अपनी बात लोगों के सामने अवश्य रखनी होगी, नहीं तो समस्या हो सकती है।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपको किसी नए निवेश को करने का मौका मिलेगा। आपको बिजनेस में किसी बड़ी डील को फाइनल करने में धोखा मिल सकता है।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में आप पार्टनरशिप में काम ना करें और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो भी प्रयास करेंगे उसमें आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी। आपको बिजनेस में एक बड़ी सफलता मिलने के योग बनते दिख रहे हैं और परिवार में वरिष्ठ सदस्यों के साथ आप कहीं घूमने फिरने जाने को योजना बना सकते हैं।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है किसी संपत्ति में उसके चल व अचल परतुओं की स्थायीता से जांच लेते, नहीं तो समस्या हो सकती है। आज नकारात्मक विचारों से बचने की कोशिश करेंगे। साथ ही आज अच्छी खबर भी आपको मिल सकती है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति मिलने के संकेत दे रहा है। आज परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। जीवनसाथी को लेकर आप डिनर डेट पर लेख जा सकते हैं।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहने के कारण आप अपने रुके हुए कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप अपनी उस एनर्जी को सही कामों में लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। अत्यधिक काम के कारण आपको थकान का अनुभव होगा, लेकिन आप फिर भी उस पर ध्यान नहीं देंगे।

मां जेल में,बचपन सलाखों के साये में!

महिला कैदियों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान के लिए एनएचआरसी का निर्णायक हस्तक्षेप!

एनएचआरसी की 10 सूत्रीय पहल

से जेलों में मानवीय गरिमा और

बच्चों के भविष्य की नई जंग!

महिला कैदियों की जिंदगी और

मासूम बच्चों का भविष्य ? महिला

कैदियों के लिए एनएचआरसी ने

खोला सुधार का मोर्चा!

सनमुखदास भावनानी

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर भारत में नारी को शक्ति, ममता, त्याग और सृजन का प्रतीक माना जाता है। आधुनिक भारत की आर्थिक प्रगति, डिजिटल क्रांति, प्रशासन विज्ञान,शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन में महिलाओं की भूमिका लगातार मजबूत हुई है। लेकिन एक सवाल आज भी हमारी व्यवस्था के सामने खड़ा है,जब कोई महिला जेल की सलाखों के पीछे पहुंच जाती है, तो क्या उसके साथ उसकी मानवीयगरिमा,स्वास्थ्य,मातृत्व और सम्मान के अधिकार भी कैद हो जाते हैं ? क्या किसी अपराध के लिए कानून के अनुसार दंड भुगतने का अर्थ यह है कि महिला को स्वच्छ शौचालय,मासिक धर्म के दौरान आवश्यक सुविधाओं पर्याप्त भोजन, स्वास्थ्य सेवाओं और अपने बच्चों के सुरक्षित भविष्य जैसी बुनियादी जरूरतों से भी वंचित रहना पड़े ? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि इन्हीं गंभीर सवालों के बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने 28 अक्टूबर 2026 को महिला कैदियों और उनके बच्चों के मानवाधिकारों के संरक्षण पर जारी अपनी महत्त्वपूर्ण परामर्श संबंधी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से देश की जेल व्यवस्था के सामने सुधार का व्यापक एजेंडा रखा है। आयोग ने नौ केंद्रीय मंत्रालयों तथा सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के संबंधित शीर्ष अधिकारियों से सिफारिशों पर कार्रवाई करने और दो महीने के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। यह पहल केवल जेलोंकी भौतिक परिस्थितियों का प्रश्न नहीं,बल्कि न्याय, संवैधानिक गरिमा, महिला सशक्तीकरण और बाल



अधिकारों की सटिकता से कसौटी भी है।

साथियों बात अगर हमक्या सजा के साथ मानवीय गरिमा भी छिन जानी चाहिए? इसको समझने की करें तो जेल का उद्देश्य कानून के अनुसार दंड देना,समाज की सुरक्षा करना और जहां संभव हो, व्यक्ति को सुधार तथा पुनर्वास का अवसर देना है। लेकिन यदि किसी महिला को अस्वच्छ शौचालय,पर्याप्त पानी की कमी,मासिक धर्म के दौरान जरूरी स्वच्छता सामग्री का अभाव,पौष्टिक भोजन की कमी या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के अभाव का सामना करना पड़े,तो यह व्यवस्था की गंभीर परीक्षा है। महिला कैदियों की आवश्यकताएं पुरुष कैदियों से कुछ मामलों में अलग होती हैं। गर्भावस्था,प्रसव, स्तनपान मासिक धर्म,प्रजनन स्वास्थ्य और बच्चों की देखभाल के लिए विशेष प्रबंध जरूरी हैं।इन जरूरतों की उपेक्षा केवल असुविधा नहीं,बल्कि स्वास्थ्य, सुरक्षा और गरिमा से जुड़े अधिकारों को प्रभावित कर सकती है। महिला कैदियों के सामने एक और गंभीर चुनौती सामाजिक कलंक है। जेल से रिहाई के बाद कई महिलाओं को रोजगार,परिवार में स्वीकार्यता, सामाजिक संबंधों और आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सुधार की दृष्टि केवल जेल के दरवाजे तक सीमित नहीं रह सकती; उसे रिहाई के बाद के जीवन तक पहुंचना होगा।

साथियों बात अगर हम एनएचआरसी की पहल को पृष्ठभूमि: पहले

भी उठ चुका है सवाल किसको समझने की करें तो,इस विषय में एक महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि आयोग ने महिला कैदियों की कठिनाइयों को पहली बार नहीं उठाया है। एनएचआरसी की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, 8 अप्रैल 2025 को आयोग ने देश की विभिन्न जेलों में कैदियों, विशेषकर महिला कैदियों और उनके बच्चों की कठिनाइयों पर स्वतः संज्ञान लिया था। उस समय जेलों में क्षमता से अधिक भीड़, बुनियादी सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, अपर्याप्त शौचालय, सैनिटरी नैपकिन तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जुड़ी समस्याएं सामने रखी गईंथी।गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण बच्चों की शिक्षा के अवसरों की कमी तथा कानूनी सहायता,कौशल प्रशिक्षण और पुनर्वासकार्यक्रमों के क्रियान्वयन को लेकर भी चिंता जताई गई थी।आयोग ने तब राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से संबंधित आंकड़ों सहित चार सप्ताह में रिपोर्ट मांगी थी। इस पृष्ठभूमि में 28 अक्टूबर 2026 का परामर्श एक व्यापक नीतिगत कदम के रूप में महत्त्वपूर्ण है।हालांकि, तथ्यात्मक स्पष्टता जरूरी है: 28 अक्टूबर 2026 की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में नए परामर्श की घोषणा की गई है,इसे उसी दिन महिला कैदियों के मुद्दे पर पहलीबार स्वतः संज्ञान लेने वाला सटीकता से आदेश कहना सही नहीं होगा।

साथियों बात अगर हम आदेश या परामर्श तारीख, क्रमांक और आधिकारिक स्थिति को समझने की करें तो इस विषय पर रिपोर्टिंग करते समय एक महत्त्वपूर्ण कानूनी अंतर समझना आवश्यक है।एनएचआरसी की आधिकारिक वेबसाइट के अंदर एडवाइजरीज अनुभाग में एडवाइजरी ऑन द प्रोटेक्शन ऑफ़ ब्हुमन राइट्स ऑफ़ फ़ोमेल इनमेंट्स एंड देयर चिल्ड्रन को क्रम संख्या 1 पर सूचीबद्ध किया गया है, जिसको तारीख 23 अक्टूबर 2026 दर्ज है। वहीं,आयोग की इसे जारी किए जाने की प्रेस विज्ञप्ति 28 अक्टूबर 2026 की है। इस प्रकार परामर्श की सूचीबद्ध तारीख और प्रेस विज्ञप्ति की तारीख अलग- अलग हैं। उपलब्ध आधिकारिक विवरण से इसे परामर्श के लिए कोई अलग न्यायालयीन वाद संख्या अथवा आदेश क्रमांक प्रदर्शित नहीं होता। इसलिए इसे किसी न्यायालय के बाध्यकारी फैसले के रूप में नहीं, बल्कि एनएचआरसी की सुधार संबंधी सिफारिशों वाले आधिकारिक परामर्श के रूप में सटीकता से प्रस्तुत करना उचित होगा। साथियों बात अगर हम दस प्रमुख क्षेत्र: जेल सुधार की व्यापक कार्ययोजना को समझने की करें तो (1) गिरफ्तारी से जेल में प्रवेश तक संवेदनशील प्रक्रिया।

गया सहयोग आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य की नींव भी तैयार करता है। शिक्षा बालिकाओं को अपने अधिकारों और अवसरों के प्रति जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पढ़ाई से लगातार जुड़ाव उन्हें अपने भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर देता है।

शिक्षा से मजबूत होती है बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता

बालिकाओं का लगातार विद्यालय और शिक्षा से जुड़े रहना उनके सुरक्षित और बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षा उन्हें अपने अधिकारों, कानूनी प्रावधानों और जीवन में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देती है। इससे कम उम्र में विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी मदद मिलती है। जब बेटियां अपनी पढ़ाई जारी रखती हैं और उच्च शिक्षा तथा भविष्य के लक्ष्य तय करती हैं, तब शिक्षा उनके जीवन में प्राथमिकता के रूप में मजबूत होती है। इसलिए विद्यालय तक उनकी सुगम पहुंच केवल आवागमन का विषय नहीं, बल्कि शिक्षा, जागरूकता और आत्मनिर्भर भविष्य से भी जुड़ी है।शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राओं के लिए सरस्वती साइकिल योजना से मिली साइकिल स्कूल आने-जाने का साधन होने के साथ समय की बचत, आत्मविश्वास और आगे पढ़ने की आकांक्षा से भी जुड़ गई है। छात्राओं का कहना है कि स्कूल तक पहुंच आसान होने से पढ़ाई जारी रखने का उत्साह बढ़ा है और वे उच्च शिक्षा हासिल कर अपने सपनों को पूरा करना चाहती हैं।

सेवा संकल्प अभियान के बीच इन छात्राओं का अनुभव बताता है कि शिक्षा की राह में आने वाली छोटी-छोटी व्यावहारिक बाधाओं को दूर करने वाली पहल किस तरह बेटियों को आगे बढ़ने का अवसर दे सकती है। आज साइकिल के पैडल के साथ स्कूल की ओर बढ़ते उनके कदम शिक्षा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर भी बढ़ रहे हैं।

ईएसटीआईसी 2026: विज्ञान को विकसित भारत की आकांक्षाओं से जोड़ना

डॉ. जितेंद्र सिंह

समाज में परिवर्तन लाने का सबसे महत्वपूर्ण आधार मुख्य रूप से विज्ञान से ही आएगा। 28 फरवरी 2006 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में ये शब्द कहे थे।

लाभगर् दो दशक बाद डॉ. कलाम के ये शब्द पूरी तरह सही साबित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तकनीक आधारित विकास को गति देते हुए ‘विकसित भारत’ की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत को इस प्रगति पर पूरी दुनिया का ध्यान गया है और उसने इसे स्वीकार भी किया है।

विज्ञान का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि हम क्या खोजते हैं, बल्कि इस बात में भी है कि हमारी खोजें देश के लोगों के लिए क्या-क्या संभव बनाती हैं। वैज्ञानिक प्रगति का वास्तविक मूल्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाने, समस्याओं का समाधान करने और नए अवसर पैदा करने की उसकी क्षमता में निहित है।

भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षाएं केवल आर्थिक विकास और आधुनिक बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं हैं। इनमें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, अधिक उत्पादक कृषि, मजबूत उद्योग, युवाओं के लिए अधिक अवसर और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सुधार भी शामिल हैं।

इन सभी आकांक्षाओं को पूरा करने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि हम जो ज्ञान विकसित करें, वह सार्थक बदलाव लाने का माध्यम बने।

यही उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2026 का व्यापक उद्देश्य है। अपने दूसरे संस्करण में ईएसटीआईसी वर्ष 2025 में शुरू हुए राष्ट्रीय संवाद को आगे बढ़ा रहा है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उनके व्यावहारिक उपयोग के बीच संबंधों की और मजबूत करना है। यह सम्मेलन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी लोगों, स्टार्टअप से जुड़े उद्यमियों और युवा शोधकर्ताओं को एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए एक मंच पर लाता है।

हमारे सामने कुछ सबसे महत्वपूर्ण सवाल ऐसे हैं, जिनका समाधान तत्काल आवश्यक है। वैज्ञानिक प्रगति किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में किस तरह मदद कर सकती है? अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है? भारतीय उद्योग उन्नत प्रौद्योगिकियां कैसे

विकसित कर सकते हैं, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कैसे कर सकते हैं और महत्वपूर्ण वस्तुओं के आयात पर निर्भरता कैसे कम कर सकते हैं? अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर कैसे पैदा किए जा सकते हैं?

इन सवालों का जवाब कोई एक संस्थान या विषय अपने दम पर नहीं दे सकता। इसके लिए वैज्ञानिकों की उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करना होगा, शोधकर्ताओं को व्यावहारिक जरूरतों को समझना होगा और नीति निर्माताओं को ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जिसमें संभावनाओं से भरे विचारों को परखा और विकसित किया जा सके।

ईएसटीआईसी 2026 इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 12 विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रित है। इनमें उन्नत विनिर्माण, ऊर्जा प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, महासागर विज्ञान एवं समुद्री प्रौद्योगिकी, क्वांटम संचार, सेमीकंडक्टर, कृषि प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिचत्ता, रोबोटिक्स, उन्नत स्वास्थ्य सेवा, इमर्सिव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान शामिल हैं।

इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में ऐसी संभावनाएं हैं, जिनका दायरा प्रयोगशालाओं से कहीं आगे तक फैला हुआ है। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में प्रगति भारत की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत कर सकती है। जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान स्वास्थ्य सेवाओं और विनिर्माण के क्षेत्र में नए रास्ते खोल सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स में होने वाले विकास औद्योगिक प्रक्रियाओं को बदल सकते हैं, जबकि कृषि और ऊर्जा के क्षेत्र में वैज्ञानिक कार्य अधिक कुशल एवं टिकाऊ कार्यप्रणालियों को बढ़ावा दे सकते हैं।

सबसे बड़ी चुनौती इन संभावनाओं को व्यावहारिक उपयोग में बदलने की है। किसी वैज्ञानिक खोज में वर्षों का अनुसंधान लग सकता है, लेकिन उसे रोजमर्रा के उपयोग में लाने के लिए अक्सर आगे के परीक्षण, निवेश, इंजीनियरिंग और आपसी सहयोग की जरूरत होती है। हमें इस पूरी प्रक्रिया को मजबूत करना होगा, ताकि अनुसंधान से जुड़े शुरुआती सवाल से लेकर ऐसी तकनीक विकसित करने तक का सफर पूरा हो सके, जो वास्तविक लाभ पहुंचाए।

भारत की वैज्ञानिक महत्वाकांक्षाएं अंततः उसके युवाओं की प्रतिभा और कल्पनाशीलता पर निर्भर करेंगी। किसी युवा शोधकर्ता के पास कोई संभावनाशील विचार है, तो उसे उसे प्रस्तुत करने, अनुभवी वैज्ञानिकों से सीखने और ऐसे लोगों से जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए, जो उस विचार को उपयोगी रूप देने में मदद कर सकें।

दर्दनाक हादसा : एक्सप्रेस-वे पर खड़ी टूरिस्ट बस से टकराई कार, पति-पत्नी और बच्ची की मौत; 2 बच्चे गंभीर

गुरुग्राम,(आरएनएस)। हरियाणा के गुरुग्राम में गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में पति-पत्नी और उनकी बच्ची की मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा दिल्ली-बड़ोदरा एक्सप्रेस-वे पर लोहटकी गांव के पास उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार स्विफ्ट कार सड़क किनारे खड़ी टूरिस्ट बस से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह करीब तीन बजे हुआ। स्विफ्ट कार में कुल पांच लोग सवार थे। कार सड़क किनारे खड़ी टूरिस्ट बस के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर के बाद कार बुरी तरह पिचक गई और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

हादसे के बाद घटनास्थल के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। इनमें कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहा है। चालक अपनी सीट पर फंसा नजर आ रहा है, जबकि आसपास मौजूद लोग उसे बाहर निकालने की कोशिश करते दिख रहे हैं। अगली सीट पर चालक के बगल में बैठा बच्चा भी गंभीर हालत में दिखाई दिया। लोगों ने कार का बोनट काटकर बच्चे को बाहर निकाला।

बताया जा रहा है कि परिवार राजस्थान में बालाजी धाम के दर्शन करने के बाद दिल्ली लौट रहा था। इसी दौरान उनकी कार हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना में पति-पत्नी और बच्ची की जान चली गई, जबकि घायल दोनों बच्चों को पुलिस ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिए हैं। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड : पत्नी शहजीन सिद्दीकी का आरोप, ‘सिर्फ दिखावे की कार्रवाई कर रही मुंबई पुलिस

मुंबई,(आरएनएस)। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में पत्नी शहजीन सिद्दीकी ने आरोप लगाए हैं कि मुंबई पुलिस सिर्फ दिखावे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस अपनी मनमानी को छिपाने के लिए प्रशासनिक अड़चनों का सहारा ले रही है।

शहजीन सिद्दीकी के वकील त्रिवनकुमार करनानी ने अपने बयान में कहा, मुंबई पुलिस सिर्फ दिखावे की कार्रवाई कर रही है। राज्य सरकार ने पहले भी कई बार केंद्र को पत्र लिखा है, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जानबूझकर की जा रही प्रशासनिक देरी के कारण हत्या के मामले की सुनवाई प्रभावित हो सकती है।

उन्होंने आगे कहा, यह तब और भी गंभीर हो जाता है, जब मुंबई पुलिस को पता है कि जेल में पूछताछ करने और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कस्टडी सुनिश्चित करने के लिए अदालती आदेश लिए जा सकते हैं। इसके बावजूद, मुंबई पुलिस अपनी मनमानी को छिपाने के लिए प्रशासनिक अड़चनों का सहारा ले रही है।

बता दें कि बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-अजीत पवार गुट) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री थे।



बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने नई दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के साथ बैठक की।

रबी फसलों की खरीद बढ़ी, एमएसपी भुगतान 8 लाख करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। छह रबी फसलों की खरीद बढ़कर 2025-26 में 3,921 लाख मीट्रिक टन हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 2004-05 में 2,302 लाख मीट्रिक टन थी। साथ ही, इस दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का भुगतान 2.65 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 8.36 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह जानकारी गुरुवार को जारी आधिकारिक फैक्टशीट में दी गई। सरकार ने 30 सितंबर को रबी विपणन सत्र (आरएमएस) 2027-28 के लिए सभी निर्धारित रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी। इसके तहत, 324 लाख मीट्रिक टन (एमटी) उपज के लिए किसानों को लगभग 90,962 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा। फैक्टशीट में बताया गया, अब डिजिटल प्लेटफॉर्म खरीद और भुगतान प्रक्रियाओं की सुलभता और पारदर्शिता को बढ़ा रहे हैं। मूल्य की गारंटी, खरीद का विस्तार और तकनीक-आधारित डिलीवरी मिलकर किसानों की बाजारों तक पहुंच को मजबूत कर रहे हैं और कृषि संबंधी फैसलों में उनका भरोसा बढ़ा रहे हैं।

सरकार हर साल 22 प्रमुख कृषि फसलों के लिए एमएसपी की घोषणा करती है। ये एमएसपी, कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसपी) की सिफारिशों पर आधारित होते हैं।

इस साल एमएसपी में सबसे अधिक बढ़ोतरी कुसुम के लिए की गई है,

दिल्ली-एनसीआर में दिखा चक्रवात ‘अर्नब’ का असर, आसमान में छाए बादल; मौसम विभाग ने दी चेतावनी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बुधवार सुबह हुई बूंदबांदी के बाद तापमान में गिरावट के आसार बढ़ गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक दिल्ली और आसपास के इलाकों में बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि होने की भी संभावना है।

मौसम में आए इस बदलाव का सीधा असर तापमान पर पड़ेगा। अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है, जिससे दिन के समय भी ठंडक महसूस होगी। मौसम विभाग ने बारिश के साथ बिजली कड़कने और तेज हवाएं चलने की आशंका जताई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 29 अक्टूबर को सुबह से दोपहर तक हल्की बारिश के एक से अधिक दौर आने की संभावना है। कुछ इलाकों में मध्यम बारिश भी हो सकती है। गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने से मौसम का मिजाज और बदल सकता है। इस दिन दिल्ली में अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री कम रह सकता है।

शुक्रवार, 30 अक्टूबर को भी दिल्ली-एनसीआर में मौसम के बदले तेवर बरकरार रहने की संभावना है। आसमान में आंशिक से लेकर आमतौर पर बादल छाए रह सकते हैं। सुबह से दोपहर बाद तक हल्की बारिश, गरज-

लोकतंत्र के लिए खतरनाक, नसीरुद्दीन शाह की दिमागी नक्सल टिप्पणी पर किरेन रिजिजू ने साधा निशाना

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की हालिया टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की है। रिजिजू ने कहा कि वे अभिनेता को पसंद करते थे, लेकिन उनका असली चरित्र उन्हें देरी से पता चला है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नसीरुद्दीन शाह का एक वीडियो शेयर किया। रिजिजू ने पोस्ट में लिखा, मुझे लगता था कि नसीरुद्दीन शाह एक ऑर्डिनरी एक्टर हैं। मैं उनका सम्मान करता था और उन्हें पसंद भी करता था। मुझे कभी पता ही नहीं था कि वह एक खतरनाक अर्बन दिमागी नक्सल था। साथ ही, किरेन रिजिजू ने लिखा, मुझे उसके असली चरित्र के बारे में बहुत देर से पता चला। भारत के लोकतंत्र के लिए अत्यंत हानिकारक है। रिजिजू की ओर से शेयर वीडियो में नसीरुद्दीन शाह ने कहा, मैं फ्रक के साथ कहता हूं, मैं दिमागी नक्सल हूं। एंटी-नेशनल, टुकड़े-टुकड़े गैंग, जो करना है करके देख लो। देख लेंगे जोर कितना बाजुए कातिल में हैं। यह मामला तब सामने आया जब नसीरुद्दीन शाह ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए एक वीडियो शेयर किया। अभिनेता ने भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। उनका कहना है कि सरकार और उनके समर्थकों की ओर से उन जैसे आलोचकों को एंटी-नेशनल और टुकड़े-टुकड़े गैंग जैसे नाम दिए जाते हैं। नसीरुद्दीन शाह ने वीडियो में कैमरे के सामने बात करते हुए खुद को दिमागी नक्सली बताया।



चमक और तेज हवाएं चलने के आसार हैं। इस दिन अधिकतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.8 डिग्री अधिक था। हालांकि, अगले दो दिनों में मौसम के करवट लेने से अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री तक गिरावट आने का अनुमान है। बारिश और तेज हवाओं के चलते दिल्लीवासियों को गर्मी से राहत मिलने के साथ सर्द मौसम का अहसास हो सकता है।

सीजेआई पर पोस्ट के मामले में संजय राउत ने मांगी माफी, एससी ने 17 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का दिया है निर्देश

नई दिल्ली,(आरएनएस)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत के खिलाफ टिप्पणी वाली सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांग ली है। राउत ने शीर्ष अदालत में हलफनामा दाखिल कर कहा कि वह पूरी तरह अपनी इच्छा से माफी मांग रहे हैं। हालांकि, माफीनामा दाखिल होने के बावजूद मामला अभी समाप्त नहीं हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 17 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है।

राउत ने अपने हलफनामे में अदालत की गरिमा, अधिकार और स्वतंत्रता के प्रति सम्मान जताया है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका की प्रतिष्ठा बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। उनका दावा है कि सुप्रीम कोर्ट का अपमान करने या न्यायपालिका की गरिमा, स्वतंत्रता और अधिकार को कम करने का उनका कोई इरादा नहीं था।

संजय राउत की ओर से माफी का हलफनामा दाखिल किए जाने के बावजूद बुधवार को सुनवाई के दौरान उनके पक्ष से कोई वकील पेश नहीं हुआ। अदालत के रिकॉर्ड में भी उस समय माफीनामा दर्ज नहीं था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने

महाराष्ट्र के विरार की ग्लोबल सिटी में सनसनी: बंद फ्लैट में मिले तीन भाई और बहन के शव, आत्महत्या की आशंका

विरार,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के विरार में एक बंद फ्लैट में तीन भाई-बहनों के शव मिले हैं। मृतकों में दो भाई और उनकी बहन शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर पुलिस ने तीनों के आत्महत्या करने की आशंका जताई है। मुंबई पुलिस ने बताया कि विरार पश्चिम की ग्लोबल सिटी स्थित के. एवेन्यू इमारत में यह घटना हुई। यहां एक बंद फ्लैट में तीन भाई-बहनों के शव मिले। इस कारण इलाके में सनसनी फैल गई। तीनों के शव गुरुवार को विंग डी के फ्लैट नंबर 1203 से बरामद किए गए। बॉलिंग पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रकाश कावले ने समाचार एजेंसी आईएनएस को बताया कि बीती रात पड़ोसियों ने संबंधित फ्लैट से दुरांध आने की सूचना दी थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर फ्लैट के अंदर प्रवेश किया। वहां तीनों मृत अवस्था में मिले।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की उम्र लगभग 45 से 50 वर्ष के बीच बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में यह भी सामने आया है कि मृतकों में से एक ने अपनी मौत से पहले मोबाइल फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने आत्महत्या करने की बात कही थी। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पुलिस को आशंका है कि तीनों ने जहर का सेवन कर आत्महत्या की होगी।कावले ने बताया कि तीनों में एक लोग को कैसर से पीड़ित था और घर में पैसे की भी दिक्कत थी। फिलहाल, पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रबी फसलों की खरीद बढ़ी, एमएसपी भुगतान 8 लाख करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। छह रबी फसलों की खरीद बढ़कर 2025-26 में 3,921 लाख मीट्रिक टन हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 2004-05 में 2,302 लाख मीट्रिक टन थी। साथ ही, इस दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का भुगतान 2.65 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 8.36 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह जानकारी गुरुवार को जारी आधिकारिक फैक्टशीट में दी गई। सरकार ने 30 सितंबर को रबी विपणन सत्र (आरएमएस) 2027-28 के लिए सभी निर्धारित रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी। इसके तहत, 324 लाख मीट्रिक टन (एमटी) उपज के लिए किसानों को लगभग 90,962 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा। फैक्टशीट में बताया गया, अब डिजिटल प्लेटफॉर्म खरीद और भुगतान प्रक्रियाओं की सुलभता और पारदर्शिता को बढ़ा रहे हैं। मूल्य की गारंटी, खरीद का विस्तार और तकनीक-आधारित डिलीवरी मिलकर किसानों की बाजारों तक पहुंच को मजबूत कर रहे हैं और कृषि संबंधी फैसलों में उनका भरोसा बढ़ा रहे हैं।

सरकार हर साल 22 प्रमुख कृषि फसलों के लिए एमएसपी की घोषणा करती है। ये एमएसपी, कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसपी) की सिफारिशों पर आधारित होते हैं।

इस साल एमएसपी में सबसे अधिक बढ़ोतरी कुसुम के लिए की गई है,



रबी फसलों की MSP बढ़ी

को 675 रुपए प्रति क्विंटल है। इसके बाद रेपसीड और सरसों (413 रुपए प्रति क्विंटल), मसूर (390 रुपए प्रति क्विंटल) और जौ (136 रुपए प्रति क्विंटल) का नंबर आता है। पिछले साल की तुलना में गेहूं और चना की एमएसपी में भी बढ़ोतरी हुई है।

फैक्टशीट के अनुसार, उत्पादन लागत पर मिलने वाले रिटर्न के मामले

चक्रवात अर्नब के बाद अमित शाह का बड़ा कदम! छत्तीसगढ़ सहित 3 राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात, मदद का भरोसा

नई दिल्ली/रायपुर,(आरएनएस)। चक्रवाती तूफान अर्नब के कारण आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए केंद्र सरकार ने राहत और बचाव कार्यों को लेकर सक्रियता बढ़ा दी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से संपर्क कर हालात की जानकारी ली और आपदा से प्रभावित लोगों की मुश्किलें कम करने के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। इस बीच राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) और राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) की टीमों प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं। चक्रवात अर्नब के कारण कई क्षेत्रों में भारी बारिश, तेज हवाओं और जलभराव की समस्या सामने आई है। प्रभावित राज्यों में प्रशासन की प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, बिजली और सड़क जैसी आवश्यक सुविधाओं को बहाल करने तथा जरूरतमंद परिवारों को राहत उपलब्ध कराने की है। चक्रवात अर्नब के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों से बातचीत कर आपदा की स्थिति की जानकारी ली। गृह मंत्री ने भरोसा दिलाया कि प्रभावित लोगों की परेशानियां कम करने के लिए केंद्र की ओर से आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी बनाना और जरूरत पड़ने पर केंद्रीय एजेंसियों की सहायता उपलब्ध कराना है।

सीजेआई पर पोस्ट के मामले में संजय राउत ने मांगी माफी, एससी ने 17 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का दिया है निर्देश

हुए हिंसक प्रदर्शनों का वीडियो साझा किया था। इसके साथ उन्होंने दावा किया था कि वहां के लोगों ने भ्रष्ट प्रधानमंत्रियों की मदद करने के आरोप में सुप्रीम कोर्ट को आग के हवाले कर दिया और सरकारी इमारतों पर हमले किए।

राउत ने अपनी पोस्ट में भारत समेत दुनिया के अन्य देशों को भी इस घटना से सबक लेने की बात कही थी। पोस्ट सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राउत की पोस्ट पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए उन पर देश में अराजकता फैलाने, हिंसा को बढ़ावा देने और न्यायपालिका को धमकाने का आरोप लगाया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज कराकर कानूनी कार्रवाई की मांग भी की गई थी।

इसके बाद मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत से संबंधित टिप्पणी वाली पोस्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राउत को अवमानना का नोटिस जारी किया। नोटिस के बाद उन्होंने हलफनामा दाखिल कर बिना शर्त माफी मांगी है।

अदालत की अवमानना से जुड़े मामलों में न्यायपालिका की गरिमा और उसके अधिकार पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखा जाता है।

सूखा राहत पर शिवसेना उद्धव गुट का हमला, किसानों को 5,000 रुपए की मदद को बताया छलावा

मुंबई,(आरएनएस)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने गुरुवार को राज्य सरकार द्वारा सूखा प्रभावित किसानों को अग्रिम राहत के तौर पर 5,000 रुपए देने की घोषणा की कड़ी आलोचना की। पार्टी ने इस फैसले को धोखाधड़ीपूर्ण और खोखला दिखावा करार दिया। पार्टी का कहना है कि सूखे से जूझ रहे किसानों को वास्तविक और पर्याप्त सहायता की आवश्यकता है और 5,000 रुपए की यह राहत केवल एक दिखावटी कदम है, जिससे किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होने वाला। ठाकरे गुट ने पार्टी के मुखपत्र सामना में छपे एक तीखे संपादकीय में तर्क दिया है कि महाराष्ट्र में सूखे की भार झेल रहे लगभग 1.50 करोड़ किसानों के साथ मजबूती से खड़े होने के बजाय सत्ताधारी सरकार ने 33 प्रतिशत की शर्त लगाकर असल में उनकी पीठ में छूरा घोंपा है। संपादकीय में कहा गया है कि सरकार ने 5,000 रुपए की अग्रिम सहायता तुरंत बांटने के बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन अब इस राहत को केवल उन्हीं इलाकों तक सीमित कर दिया गया है, जहां फसल के नुकसान का आकलन (पंचनामा) पूरा हो चुका है और फसल का नुकसान 33 प्रतिशत से अधिक है। इसमें बताया गया है कि इस तरह के सख्त नियम लागू करने से भीषण सूखे के इस दौर में संकट से जूझ रहे 1.50 करोड़ किसानों में से लगभग आधे किसान पूरी तरह खाली हाथ रह जाएंगे।

खरीफ की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है और बारिश न होने के कारण रबी की बुआई भी लगभग नामुमकिन लग रही है। ऐसे में ग्रामीण इलाकों में पीने के पानी और चारे का भारी संकट पैदा हो गया है। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि जो निजी फाइनंस कंपनियां और साहूकार कर्ज वसूली के लिए किसानों को परेशान कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बावजूद किसानों को डराने-धमकाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

संपादकीय में नांदेड़ और लातूर के उन मामलों का जिक्र किया गया है, जहां कर्ज के दबाव में आकर किसानों ने अपनी जान दे दी। कहा है कि इससे यह सवाल उठता है कि क्या सरकार के आदेश वास्तव में जमीनी स्तर तक पहुंच भी रहे हैं या नहीं।

संपादकीय में कहा गया है कि मानसून खत्म होने के कई हफ्तों बाद मुदा एवं जल संरक्षण विभाग ने अवानक पानी सोखने वाले गड्डे खोदने का काम शुरू कर दिया है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने इन देर से उठाए गए कदमों को बहुत देर हो जाने के बाद की गई कार्रवाई की संज्ञा दी है। पार्टी ने कहा कि चूंकि अब बारिश की कोई उम्मीद नहीं है, इसलिए सवाल यह उठता है कि क्या सरकार इन हजारों नए खोदे गए गड्डों को पानी के टैंकों से भरने की योजना बना रही है? संपादकीय में आरोप लगाया गया है कि ऐसी परियोजनाएं ग्रामीण इलाकों की प्यास बुझाने के बजाय, ठेकेदारों और बिचौलियों की जेबें भरने के लिए बनाई गई हैं।

शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

स्पेन हाई स्पीड ट्रेन हादसे में अब तक 68 लोगों की मौत, पूरे देश में फैला आक्रोश, परिवहन मंत्री के इस्तीफा की उठी मांग

मैड्रिड (आरएनएस)। स्पेन में दो हाई–स्पीड ट्रेनों की टक्कर से पूरे देश में आक्रोश है. हादसे में अभी तक 68 लोगों की मौत हो चुकी है. अब रेलवे सुरक्षा और हादसे की जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठने लगे हैं. ट्रेड यूनियन सीएसआईएफ ने परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते सैंटियागो के इस्तीफे की मांग की है. यूनियन का आरोप है कि मंत्री ने जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय रेलवे अधिकारी को हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया. वहीं, हादसे के कारणों की जांच जारी है.

रिपोर्ट के अनुसार, हादसे में शामिल ट्रेनों में सरकारी रेलवे कंपनी रेनफे की एवीई हाई–स्पीड ट्रेन और निजी कंपनी इयों की ट्रेन थी. टक्कर के बाद कम से कम 68 लोगों की मौत हो गई, जबकि बड़ी संख्या में यात्री घायल हुए. मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई गई है. इस घटना के बाद मैड्रिड और सेविले के बीच रेल परिचालन भी प्रभावित हुआ.

रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 63 किलोमीटर लंबे रेल खंड में सुरक्षा प्रणाली बाधित होने के कारण ट्रेनों को अपने आप रुकना पड़ा. इस दुर्घटना को 2013 के बाद यूरोप के सबसे घातक रेल हादसों में से एक बताया जा रहा है. इस दुर्घटना में करीब 80 लोग घायल हुए हैं. इनमें से 15 की हालत बेहद गंभीर बताई गई है. स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते के मुताबिक, हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रेन को रेड सिग्नल होने के बावजूद आगे बढ़ने की अनुमति दी गई. बताया गया कि आगे खड़ी ट्रेन के कारण सिग्नल लाल था. कंप्यूटर कम्युनिकेशन में खराबी के चलते रेल यातायात अपने आप रुक गया था, लेकिन बाद में ट्रेन को दोबारा चलाने का फैसला लिया गया. अधिकारियों ने इस पूरे घटनाक्रम की जांच की बात कही है.

अमेरिका पहुंचकर बोल्सोनारो ने भी हुंकार, बोले- ब्राजील का राष्ट्रपति मैं हूं

ब्रासीलिया (आरएनएस)। ब्राजील के हारे हुए दक्षिणपंथी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फ्लेवियो बोल्सोनारो ने बुधवार को कहा कि खुद से देश निकाला शुरू करने के लिए अमेरिका आने के बाद भी वह देश के असली हेड बने हुए हैं.उनके इस आक्रामक ऐलान ने देश में चल रही राजनीतिक अस्थिरता को दिखाया, जहाँ मौजूदा वामपंथी राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने रविवार को एक अहम जीत हासिल की. बोल्सोनारो ने अपने सोशल मीडिया एक्स अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक ऑफिशियल बयान में कहा, मैं चुना हुआ प्रेसिडेंट हूं, और जिन क्रिमिनल्स ने ब्राजील का चुनाव चुराया है, वे एक क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन का हिस्सा हैं जिसने तानाशाही कायम की है.उन्होंने कथित इलेक्टोरल फॉड की ओर इशारा किया. उन्होंने कहा, मैं यहां से विपक्ष को लीड करूंगा. बाद में एक रिलीज में उन्होंने अपनी बात बदली और खुद को प्रेसिडेंट के बजाय लीडर बताया. 45 साल के बोल्सोनारो बुधवार सुबह मियामी के पास ओपा–लोका एंजीक्यूटिव एयरपोर्ट पर एक प्राइवेट एयरक्राफ्ट से उतरे.अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लीडरशिप वाली हार्ड–लाइन एडमिनिस्ट्रेशन के बोल्सोनारो और उनके पिता, जेयर बोल्सोनारो, दोनों के साथ करीबी रिस्ते हैं. सीनियर बोल्सोनारो 2022 में लूला से अपनी चुनावी हार को चुनौती देने की नाकाम कोशिशों के बाद देश में हाउस अरेस्ट में हैं.ट्रंप ने अपनी बात दोहराई कि ब्राजील का चुनावी प्रक्रिया बहुत अजीब है, लेकिन उन्होंने मीडिया वालों को बताया कि वह प्लावियो बोल्सोनारो के प्रेसिडेंट बनने के दावे में शामिल नहीं होंगे. बोल्सोनारो अपनी पत्नी और बेटियों के साथ अमेरिका कैसे गए, इस बारे में खास जानकारी सामने आ रही है.

बच्चों के लिए स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीदते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान



बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक और संवेदनशील होती है, इसलिए उनके लिए स्किन केयर प्रोडक्ट्स चुनते समय खास सावधानी बरतनी चाहिए। गलत प्रोडक्ट्स से उनकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप बच्चों के लिए सुरक्षित और असरदार स्किन केयर प्रोडक्ट्स चुन सकते हैं। इन टिप्स को अपनाकर आप अपने बच्चे की त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बना सकते हैं।

प्राकृतिक सामग्री वाले प्रोडक्ट्स चुनें

बच्चों के लिए हमेशा प्राकृतिक चीजों से बने स्किन केयर प्रोडक्ट्स चुनें। ये प्रोडक्ट्स बिना किसी हानिकारक रसायनों के बने होते हैं और बच्चों की त्वचा पर बहुत हल्के होते हैं।प्राकृतिक चीजें जैसे एलोवेरा, नारियल तेल, गुलाब जल आदि से बने प्रोडक्ट्स न केवल सुरक्षित होते हैं, बल्कि उनकी त्वचा को पोषण भी देते हैं।इसके अलावा ये प्रोडक्ट्स एलर्जी और जलन का खतरा कम करते हैं, जिससे आपकी चिंता भी कम होती है।

पैकेजिंग पर ध्यान दें

बच्चों के स्किन केयर प्रोडक्ट्स की पैकेजिंग पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। ऐसी पैकेजिंग चुनें जो साफ–सुथरी हो और उसमें सभी सामग्री की जानकारी स्पष्ट रूप से लिखी हो।इसके अलावा पैकेजिंग ऐसी होनी चाहिए, जिससे प्रोडक्ट्स सुरक्षित रहें और उनमें कोई मिलावट न हो। ध्यान रखें कि प्रोडक्ट्स की बोटल या ट्यूब सील्ड हो ताकि उनमें कोई धूल या बैक्टीरिया न जा सके।इसके साथ ही पैकेजिंग नाजुक हो ताकि टूटने का खतरा न रहे।

आयु वर्ग का ध्यान रखें

बच्चों के लिए अलग–अलग उम्र के हिसाब से स्किन केयर प्रोडक्ट्स उपलब्ध होते हैं।नवजात शिशुओं के लिए अलग, छोटे बच्चों के लिए अलग और बड़े बच्चों के लिए भी अलग तरह के प्रोडक्ट्स होते हैं। इसलिए खरीदते समय यह सुनिश्चित करें कि प्रोडक्ट्स उस उम्र के हिसाब से बने हों, जिससे

सोल,(आरएनएस)। उत्तर कोरिया ने गुरुवार को ईस्ट सी (पूर्वी सागर) की ओर करीब एक दर्जन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना के मुताबिक, ये कम दूरी की मिसाइलें थीं, जिन्हें उत्तर कोरिया के वॉनसन इलाके से प्रक्षेपित किया गया। दक्षिण कोरियाई सेना ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है और किसी भी नए मिसाइल परीक्षण को लेकर सतर्कता बरत रही है।दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अनुसार, मिसाइलें स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:30 बजे दागी गईं। इनकी मारक क्षमता और अन्य तकनीकी विशेषताओं का विश्लेषण किया जा रहा है। सेना ने कहा कि इस घटनाक्रम से जुड़ी जानकारी अमेरिका और जापान के साथ लगातार साझा की जा रही है, ताकि क्षेत्र में मजबूत रक्षा व्यवस्था बनाए रखी जा सके। उत्तर

अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में शुरु की शांति की पहल, जेडी वेंस ने ईरान के कट्टरपंथी नेता को भेजा पत्र

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच शांति वार्ता दोबारा शुरू करने की कोशिश की जा रही है. रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के वरिष्ठ नेता मोहसेन रेजाई को एक पत्र भेजा है. इसका मकसद यह पता लगाना है कि क्या दोनों देशों के बीच बातचीत का रास्ता निकाला जा सकता है.

मोहसेन रेजाई ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्पस के पूर्व कमांडर हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, वेंस ने यह पत्र ट्रंप के निर्देश पर भेजा था. इस मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि राष्ट्रपति को इस पहल की पूरी जानकारी है. यह पहल ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आने वाले हफ्तों में ईरान पर फिर से सैन्य हमला करने की धमकी दी है.

हालांकि, ट्रंप ने इस दावे को खारिज किया है कि उन्होंने वेंस को ईरान के साथ शांति वार्ता शुरू करने का निर्देश दिया था. जॉइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वेंस की बातचीत मेडिकल सप्लाई से जुड़ी थी. ट्रंप के मुताबिक, ईरान को बीमार लोगों की मदद के लिए चिकित्सा सामग्री की जरूरत है.

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान पर सीमित लेकिन जोरदार सैन्य हमला करने पर विचार कर रहे हैं. ऐसे में वेंस की पहल का उद्देश्य यह पता लगाना

विदेश समाचार

उत्तर कोरिया ने ईस्ट सी में दागीं दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें, दक्षिण कोरिया में अलर्ट



कोरिया का यह कदम 12 अक्टूबर को किए गए मिसाइल परीक्षण के करीब दो सप्ताह बाद सामने आया है। उस समय प्योंगयांग ने सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण करने का दावा किया था। उत्तर कोरिया के मुताबिक, यह परीक्षण हथियार प्रणाली के एक महत्वपूर्ण हिस्से की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से



है कि क्या बातचीत के जरिए दोनों देशों के बीच

फिर से संघर्ष शुरू होने से रोका जा सकता है. हालांकि, अभी तक बातचीत के लिए कोई विस्तृत शांति प्रस्ताव सामने नहीं आया है. दूसरी तरफ, रेजाई ने पिछले हफ्ते कहा था कि जब तक ईरान की बुनियादी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक तेहरान अमेरिका के साथ बातचीत नहीं करेगा. वेंस के लिए यह स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण है. उन्होंने सार्वजनिक रूप से युद्ध का समर्थन किया है, लेकिन निजी तौर पर युद्ध को लंबे समय तक जारी रखने पर आपत्ति जताई थी. फरवरी में ट्रंप ने ऑपरेशन एंपिक फ्यूरी शुरू किया था. इससे पहले वेंस ने कूटनीति के जरिए विवाद सुलझाने पर जोर दिया था. बाद में ट्रंप ने वेंस को युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत की जिम्मेदारी सौंपी. इसके बाद उपराष्ट्रपति ने ईरान के प्रतिनिधियों

मनोरंजन

मृणाल को ऐसे मिला था सीता रामम की सीता का ऑफर, बोलीं- कहानी सुन रो पड़ी



बॉलीवुड मशहूर अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने हाल ही में खुलासा किया कि फिल्म सीता रामम में रश्मिका मंदाना के किरदार के लिए पहले उनसे संपर्क किया गया था। हालांकि, निर्देशक हनु राघवपुडी को लगा कि मृणाल फिल्म में सीता की भूमिका निभाने के लिए ज्यादा उपयुक्त हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जब उस उन्होंने पहली बार फिल्म की कहानी सुनी थी, तो वह भावुक हो गई थीं।

मृणाल ने कहा, नाग अश्विन सर ने मेरी फिल्म देखी और मैंने उनकी फिल्म महानटी देखी। इसके बाद उन्होंने मुझसे संपर्क किया और कहा कि एक फिल्म है, जिसकी कहानी मुझे सुननी चाहिए। उस समय, वह मुझे उस किरदार के बारे

में बताते आए थे, जो रश्मिका ने निभाया है, लेकिन अचानक हनु सर को लगा कि नहीं, यही मेरी सीता है। वहीं मेरे मन की आवाज भी यही कह रही थी कि मुझे ही सीता बनना है।

मृणाल ने आगे कहा, मैंने सर से कहा कि राजकुमारी बनना मेरा सपना था और मुझे खुशी है कि मुझे ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला। इसी तरह सीता रामम मिली। मेरे मन की आवाज मुझसे कह रही थी कि मुझे ही सीता बनना है; सीता रामम में मृणाल ठाकुर के अलावा कोई और सीता का किरदार नहीं निभा सकता। जब मैंने कहानी सुनी, तो मैं रो पड़ी और उन सभी भावनाओं को गहराई से महसूस किया।2022 में रिलीज हुई सीता रामम तेलुगु रोमांटिक ड्रामा है, जिसका निर्देशन हनु राघवापुडी ने किया है। इसमें मृणाल और रश्मिका के अलावा दुलकर सलमान भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में मृणाल का अभिनय उनके करियर के सबसे यादगार किरदारों में से एक है।

बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करना है तो आजमाएं ये 5 गतिविधियां



भी ज्यादा प्रेरित होंगे।

पुस्तकालय जाना सिखाएं

पुस्तकालय जाना सिखाना बच्चों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यहां वे अलग–अलग प्रकार की किताबें देख सकते हैं, जिनसे उनकी रुचि बढ़ेगी और

दैनिक क्षितिज किरण 6

उत्तर कोरिया ने ईस्ट सी में दागीं दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें, दक्षिण कोरिया में अलर्ट

पाकिस्तान के थारपारकर में ऑक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट, गर्भवती समेत नौ की मौत
कराची,(आरएनएस)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत स्थित थारपारकर जिले में ऑक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट में एक गर्भवती महिला समेत 9 लोगों की मौत हो गई। धमाका एक स्वास्थ्य केंद्र पर खड़ी एम्बुलेंस में हुआ। बचाव अधिकारियों के अनुसार, घायलों में से एक व्यक्ति की कराची ले जाते समय मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।अंग्रेजी दैनिक डॉन के अनुसार, बचाव अधिकारियों ने बताया कि थारपारकर के नगरपारकर तालुका में दानो धंधल स्थित ‘पीपल्स प्राइमरी हेल्थकेयर इनिशिएटिव’ (पीपीएचआई) संचालित एम्बुलेंस में तब आग लग गई, जब कर्मचारी इसका ऑक्सीजन सिलेंडर बदल रहे थे।

इजरायल में 90 प्रतिशत मतगणना पूरी, नेतन्याहू गुट 53 और आइजेनकोट गुट 48 सीटों पर आगे

यरूशलम (आरएनएस)। इजरायल में हुए संसदीय चुनाव की मतगणना चल रही है और अभी तक 90 प्रतिशत वोटों की गिनती पूरी हो चुकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार रात तक 89.8 प्रतिशत वोटों की गिनती के साथ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाला गुट 53 सीटों पर आगे चल रहा है। नेतन्याहू के प्रतिद्वंद्वी याशर पार्टी के प्रमुख गदी आइजेनकोट के नेतृत्व वाला गुट 48 सीटों पर आगे हैं। हालांकि, दोनों अभी बहुमत की 61 सीटों से दूर हैं।

इजरायल की केंद्रीय चुनाव समिति ने बताया कि अभी तक की मतगणना में दोनों अरब पार्टियां जॉइंट लिस्ट और आराम को 19 सीटें मिलती दिख रही है। ऐसे में वे सरकार बनाने में समर्थन दे सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार अरब वोटरों ने रिकॉर्ड संख्या में वोट डाला, ताकि वे नेतन्याहू और उनके दक्षिणपंथी सहयोगियों को सत्ता से हटा सकें। इससे पहले उनके पास 15 सीटें थीं। चुनाव समिति का कहना है कि अभी अंतिम परिणाम बाकी है।करीब 90 प्रतिशत मतगणना पूरी होने के बाद नेतन्याहू की लिकुड 26 सीटों के साथ सबसे आगे चल रही है। इसके बाद आइजनकोट की याशर पार्टी 21 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है।नेतन्याहू के समर्थन वाली शास, यूनाइटेड तोराह जुड़ाइन्म, ओल्त्वमा यहूदी को 7-7 और रिलीजियस जायोजिन्म को 6 सीटें मिल रही हैं।आइजनकोट के समर्थन वाली बीयाचद को 12, डेमोक्रेट्स को 8 और यिसराइल बेयेतेनु को 7 सीटें मिल रही हैं।बहुमत के लिए 61 सीटें चाहिए।

इजरायली संसद (नेसेट) की 120 सीटों के लिए हो रहे चुनाव में बहुमत के लिए 61 सीटें चाहिए, लेकिन किसी पार्टी के पास बहुमत नहीं हैं।

बच्चों के लिए स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीदते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान

मशहूर शो वसुधा से जुड़ीं कम्या पंजाबी, सबकी जिंदगी में मचाएंगी भूचाल

मशहूर शो वसुधा में कम्या पंजाबी आ गई

हैं। वह रुद्राणी सिंह शेखावत के किरदार में

नजर आएंगी, जो अमेरिका से लौटी एक हाई–

सोसाइटी कारोबारी प्रतिद्वंद्वी है।

उनका किरदार वसुधा और चंद्रिका के लिए नई चुनौतियां लेकर आएगा, जिससे शो में

जबरदस्त ड्रामा देखने को मिलेगा।

कम्या ने बताया, वसुधा को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। किसी शो से दर्शकों का जुड़ना और उसकी कहानी में दिलचस्पी लेना हमेशा अच्छा लगता है। रुद्राणी का किरदार मुझे ऐसा ही मौका दे रहा है। मैं इस किरदार

को गहराई को समझना चाहती हूं और वसुधा में एक नया मोड़ लाना चाहती हूं।

रुद्राणी की एंट्री ऐसे समय हो रही है, जब वसुधा और देव की शादी का दिव्स्ट हाल ही में खत्म हुआ है। इस शादी के बाद शो में थोड़ी शांति आई थी।

अपनी अलग सोच और कारोबारी रवैये के साथ, रुद्राणी शो के मुख्य किरदारों के लिए नई मुश्किलें खड़ी करने के लिए तैयार हैं। कम्या ने कहा कि वह इस बहुआयामी किरदार को निभाने के लिए काफी उत्साहित हैं।

बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करना है तो आजमाएं ये 5 गतिविधियां

वे नई चीजें सीख सकेंगे।

पुस्तकालय में जाकर बच्चे खुद किताबें चुनना सीखते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है।इसके अलावा पुस्तकालय में बच्चों को अन्य पाठकों से मिलकर नई किताबों के बारे में जानने का मौका मिलता है। इससे उनकी सामाजिक क्षमता भी बढ़ती है।

किताबों पर चर्चा करें

किताबें पढ़ने के बाद उन पर चर्चा करना बहुत जरूरी है। इससे न केवल बच्चों की समझ बढ़ेगी बल्कि वे अपने विचार साझा करना भी सीखेंगे।किताबों पर चर्चा करने से बच्चों की सोचने–समझने की क्षमता में भी सुधार होता है। आप उनके साथ बैठकर किताबों के पात्रों, घटनाओं और संदेशों पर बात कर सकते हैं।इससे उनकी भाषा क्षमता भी बढ़ेगी और वे किताबों की कहानियों में रुचि लेने लगेंगे।

पुरस्कार प्रणाली अपनाएं

बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करने का एक तरीका यह हो सकता है कि आप एक पुरस्कार प्रणाली अपनाएं।

जब वे कोई किताब पूरी करें तो उन्हें छोटे–छोटे पुरस्कार दें जैसे स्टिकर, स्टार या कोई खास ट्रीट। इससे वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस करेंगे और आगे भी पढ़ने की कोशिश करेंगे।

इस तरह आप आसानी से अपने बच्चों में किताबें पढ़ने की आदत डाल सकते हैं।

पटाखा दुकानों में सुरक्षा से समझौता नहीं, शर्तों के उल्लंघन पर निरस्त होगा लाइसेंस



-जिला अग्निशमन अधिकारी ने जारी किए दिशा-निर्देश, नियमित निरीक्षण कर परखी जाएंगी सुरक्षा व्यवस्थाएं

बिलासपुर ((ए.)। दीपावली पर्व के मद्देनजर पटाखा दुकानों में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम और नागरिकों की सुरक्षा के लिए कमांडेंट होम गाइस एवं जिला अग्निशमन अधिकारी दीपांकुर नाथ ने गुरुवार को सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिले के सभी पटाखा दुकान संचालकों को इनका अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।नाथ ने कहा कि दुकानों का नियमित निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी। निर्धारित शर्तों का पालन नहीं करने पर संबंधित दुकान का लाइसेंस निरस्त कर कार्रवाई की जाएगी।जारी निर्देशों के अनुसार पटाखा दुकानें रिहायशी क्षेत्रों अथवा

बाजार के पास नहीं खोली जाएंगी। दुकानों का निर्माण कपड़ा, बांस, रस्सी और टेंट जैसी ज्वलनशील सामग्री से करने के बजाय अज्वलनशील टिन शेड से किया जाए तथा अग्निमंदक घोल से उपचारित किया जाए। दुकानों के बीच कम से कम तीन मीटर की दूरी रखी जाए और दुकानें एक-दूसरे के आमने-सामने नहीं बनाई जाएं। किसी भी पटाखा दुकान के 50 मीटर के दायरे में आतिशबाजी का प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा।प्रत्येक दुकान में पांच किलोग्राम क्षमता का डीसीपी अग्निशामक यंत्र रखना अनिवार्य है। इसके साथ ही दुकान के अंदर और बाहर अलग-अलग 100-100 लीटर पानी उपलब्ध रखा जाए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्ले टीम ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित सारंग हेलीकॉप्टर डिस्ले टीम के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर टीम के सदस्यों ने मुख्यमंत्री – साय को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने टीम के सदस्यों का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर आत्मीय स्वागत करते हुए राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव में उनकी सहभागिता को प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया।मुख्यमंत्री – साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर डिस्ले टीम का आममन प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव की बात है। भारतीय वायु सेना अपने अदम्य साहस, अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट पेशेवर दक्षता के लिए विश्वभर में सम्मानित है। सारंग टीम का हवाई प्रदर्शन इन गौरवशाली परंपराओं का जीवंत परिचय कराएगा। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित यह एयर शो छत्तीसगढ़वासियों, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों के लिए अविस्मरणीय अनुभव होगा। मुख्यमंत्री – साय ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का शौर्य और पराक्रम प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। सारंग टीम के पायलट जिस साहस, सटीकता और आपसी समन्वय के साथ आसमान में कठिन हवाई करतब प्रस्तुत करते हैं, वह उनके कठोर प्रशिक्षण, अनुशासन और उत्कृष्ट टीम भावना का परिचायक है।

धमतरी, (आरएनएस)। चक्रवाती तूफान अर्नब के प्रभाव से बुधवार और गुरुवार को हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। पहले तेज हवा, आंधी और बारिश के कारण धान की फसल खेतों में गिर गई थी। किसान गिरे हुए धान के पौधों को समेटकर गठरी बनाने में जुटे थे, लेकिन दोबारा हुई बारिश ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

खेतों में नमी बढ़ने से गिरी हुई धान की फसल में कीट और बीमारियों का प्रकोप बढ़ने की आशंका है। किसानों के अनुसार, खेतों में लगभग 30 से 40 प्रतिशत तक धान की फसल खराब होने का खतरा मंडरा रहा है। पहले ही कीट-व्याधियों की मार झेल चुके किसान अब मौसम की दोहरी मार से परेशान हैं। किसानों का कहना है कि ऐसी विकट परिस्थिति में कृषि विभाग की ओर से आवश्यक मार्गदर्शन और सलाह देने के लिए कोई नहीं पहुंच रहा है। वहीं, बुधवार और गुरुवार को हुई बारिश से सब्जियों की फसल भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। बाजार में सब्जियों की आवक घटने से कीमतों में तेजी आ गई है। धनिया पत्ती 200 रुपये किलो, पतागोभी 40 रुपये किलो, फूलगोभी 60 रुपये किलो और टमाटर 50 रुपये किलो तक बिक रहे हैं। अन्य सब्जियों के दाम भी बढ़े हुए हैं।सेवानिवृत्त प्रधानपाठक रामकुमार पटेल, विसहान पटेल, ईशु पटेल, लिलेश्वर पटेल और हुलास पटेल सहित किसानों ने बताया कि बारिश के कारण

1.15 किलो गांजे के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

दुर्ग, (आरएनएस)। दुर्ग जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुरानी भिलाई पुलिस ने 1.150 किलोग्राम गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 60 हजार रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपी नितिन कुमार डहरिया (28) थाना पुरानी भिलाई का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 28 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सिरसाकला स्थित पुरैना चौक नर्सरी के पास एक युवक गांजा लेकर ब्रिक्की के लिए ग्राहक तलाश रहा है।

पेण्ड्रा में सड़क पर दिखा दुर्लभ सफेद भालू, राहगीरों में मची हलचल; वीडियो वायरल



गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में बुधवार को एक दुर्लभ सफेद भालू के रिहायशी इलाके और मुख्य सड़क पर दिखाई देने से लोगों में हलचल मच गई। पेण्ड्रा-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर पटियाला हाउस के पास अचानक भालू की मौजूदगी देखकर राहगीर रुक गए। इस दौरान कुछ लोगों ने अपने मोबाइल फोन से उसका वीडियो बना

लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सफेद भालू जंगल की ओर से निकलकर मुख्य मार्ग पर पहुंच गया था। सड़क पर उसकी चहलकदमी देखकर लोग सतर्क हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर भालू की गतिविधियों पर नजर रखने लगी।

वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, सफेद रंग का यह भालू कोई अलग प्रजाति नहीं है। इसे भारतीय स्लॉथ बियर यानी रीछ का ही एक रूप बताया जा रहा है। इसके शरीर का रंग सफेद होने के पीछे एल्बिनिज्म नामक आनुवंशिक स्थिति को वजह माना जा रहा है। मरवाही वनमंडल के जंगलों में पहले भी इस सफेद भालू की मौजूदगी देखे जाने की जानकारी सामने आ चुकी है।

बेमौसम बारिश से किसानों की बड़ी चिंता, धान और सब्जियों की फसल पर संकट



सब्जियों के पौधों में लगे फूल बड़ी मात्रा में झड़ गए हैं

और पत्तियों में कीट लगने लगे हैं। इससे सब्जियों के

उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है। किसानों का

मानना है कि यदि मौसम का यही रुख बना रहा, तो आने

वाले दिनों में सब्जियों की कीमतों में और बढ़ोतरी हो

सकती है।बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान अर्नब

के प्रभाव से कुरुद अनुविभाग में मौसम का मिजाज

बिगड़ गया है। तेज हवा के साथ हुई बारिश के कारण

पककर तैयार हो रही धान की फसल खेतों में बिछने लगी है।

इससे खरीफ फसल की कटाई की तैयारी कर रहे किसानों की चिंता बढ़ गई है। पहले से ही कीट-व्याधियों की समस्या से जूझ रहे किसानों को अब बारिश के कारण उत्पादन प्रभावित होने का डर सता रहा है। खेतों में पानी भरने और धान की बालियां भीगने से फसल की गुणवत्ता पर भी असर पड़ने की आशंका है।

खेल समाचार

मुंबई इंडियंस से अलग हुए लसिथ मलिंगा, कोचिंग सेटअप से दो और लोगों की हुई छुट्टी

मुंबई(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से पहले पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) के कोचिंग सेटअप में बदलाव जारी है। लसिथ मलिंगा, पारस म्हाम्ब्रे और कार्ल हॉपकिंसन भी एमआई की कोचिंग टीम से अलग हो गए हैं। इसकी पुष्टि एमआई ने गुरुवार को कर दी।एमआई ने अपने वेबसाइट पर बताया, लसिथ मलिंगा, पारस म्हाम्ब्रे और कार्ल हॉपकिंसन पुरुषों की टीम के कोचिंग सेटअप में अपनी-अपनी भूमिकाओं से आगे बढ़ेंगे। हम फेंचाइजी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, योगदान और सेवा के लिए धन्यवाद देते हैं। लसिथ मलिंगा मुंबई इंडियंस परिवार का एक अहम हिस्सा रहे हैं और फेंचाइजी के इतिहास के सबसे आइकॉनिक लोगों में से एक हैं। एमआई के बॉलिंग अटैक को लीड करने और चार आईपीएल खिताब जीत और 2011 चैंपियंस लीग टी20 जीत में अहम भूमिका निभाने से लेकर एक मेंटर और कोच के रूप में लौटने तक, एमआई



के साथ लसिथ का सफर सच में खास रहा है।

उ उनके जुनून, प्रतियोगी भावना और टीम के प्रति

प्रतिबद्धता ने कई पीढ़ियों के खिलाड़ियों को प्रेरित

किया है। उनकी विरासत हमेशा मुंबई इंडियंस का

एक अहम हिस्सा रहेगी।

पारस म्हाम्ब्रे का मुंबई इंडियंस के साथ एक

लंबा और कीमती रिश्ता रहा है। पहले 2010 से

2017 तक और फिर 2024 में वापसी तक, दोनों

ही समय में, पारस बहुत ज्यादा अनुभव, लगन और

एमआई संस्कृति की गहरी समझ लेकर आए हैं।

टीम की गेंदबाजी प्रतिभाओं को विकसित करने

और उसे निखारने में उनके योगदान के साथ-साथ

ऑस्ट्रेलिया टीम के लिए बुरी खबर, दिसंबर से पहले

नहीं हो सकेगी स्टीव स्मिथ की मैदान पर वापसी

नई दिल्ली (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया को स्टीव स्मिथ की वापसी के लिए दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज तक इंतजार करना होगा। स्कैन से पता चला है कि उन्हें सर्वाइकल फैसैट जॉइंट (गर्दन के जोड़) में चोट लगी है। इस चोट के कारण अनुभवी बल्लेबाज को केपटाउन में साउथ अफ्रीका के खिलाफ चल रहे निर्णायक टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा। पिछले हफ्ते गेबेरहा में साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द महसूस हुआ। यह समस्या बनी रही और गर्दन की सीमित हलचल के कारण उन्हें तीसरे टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा, जो मंगलवार से शुरू हुआ है। इसके बाद में हुई मेडिकल जांच से चोट की प्रकृति साफ हो गई है और उनके ठीक होने के समय के बारे में भी स्पष्ट जानकारी मिल गई है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि 37 वर्षीय खिलाड़ी आगामी घरेलू सीरीज तक चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। इस दौरान उनका इलाज और रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) जारी रहेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, पिछले हफ्ते गेबेरहा में दूसरे टेस्ट के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द हुआ। बाद में एमआरआई स्कैन से सर्वाइकल फैसैट जॉइंट में चोट की पुष्टि हुई। इस चोट और गर्दन की सीमित हलचल के कारण, वह मौजूदा टेस्ट मैच में खेलने के लिए फिट नहीं थे। स्टीव का इलाज और रिहैबिलिटेशन जारी रहेगा। उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट होकर वापसी करेंगे।

स्मिथ के बाहर होने से जोश इंग्लिस के लिए टेस्ट टीम में वापसी का रास्ता खुल गया। बुधवार को मिले इस मौके का उन्होंने पूरा फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट जल्दी गिर जाने के बाद दबाव में बल्लेबाजी करते हुए इंग्लिस 85 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी पारी की मदद से मेहमान टीम ने 330/4 का स्कोर बना लिया है और साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में एक रन की मामूली बढ़त हासिल कर ली है।

पिछले साल एशेज सीरीज के अंतिम मुकाबले के बाद यह इंग्लिस का पहला टेस्ट है। जल्दी सेट होने और दबाव का सामना करने की उनकी क्षमता की उनके साथी खिलाड़ी मैथ्यू रेनशॉ ने तारीफ की। रेनशॉ ने कहा कि इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने ठीक वही किया, जिसकी उस समय ऑस्ट्रेलिया को जरूरत थी।

रेनशॉ ने कहा, वह बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, हमने उन्हें कई व्हाइट-बॉल फॉर्मेट (वनडे और टी20) में ऐसा करते देखा है। आज जब हम मैदान पर उतरे, तो हम पर थोड़ा दबाव था क्योंकि हमने जल्दी-जल्दी दो विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, वह बहुत सकारात्मक था। यह एकदम उनके अंदाज वाली पारी थी।

काराबाओ कप : मैनचेस्टर सिटी ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह, पेनल्टी शूटआउट में ब्राइटन एंड होव एल्वियन को हराया

मैनचेस्टर (आरएनएस)। मौजूदा चैंपियन मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल क्लब ने ब्राइटन एंड होव एल्वियन के खिलाफ एक उत्तार-चढ़ाव भरे मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की। इसके साथ ही टीम काराबाओ कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। मैनचेस्टर सिटी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। मैच के 30वें मिनट में ब्राइटन के मैलिक याल्कोये ने गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। हाफ टाइम से ठीक पहले मार्टेओ कोवासिच ने एक शानदार लॉन्ग-रेंज शॉट से स्कोर बराबर कर दिया, हालांकि दूसरे हाफ की शुरुआत के कुछ ही समय बाद जॉर्जिनो रटर ने गोल कर ब्राइटन को फिर से बढ़त दिला दी। ब्राइटन के पास स्कोर 3–1 करने का मौका था, लेकिन जेरोनियो रूली ने एक बेहतरीन बचाव करते हुए रटर को अपना दूसरा गोल करने से रोक दिया। 72वें मिनट में रेयान चेर्की की फ्री-किक विटोरी रीस के पैर से स्कोर बराबर गोल में चली गई, जिससे मैनचेस्टर सिटी ने एक बार फिर स्कोर बराबर कर लिया। इस गोल के बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में पहुंच गया।रूली ने एक बार फिर मैनचेस्टर सिटी को संकट से उबारा और दो पेनल्टी किक बचाई। इसके चलते सिटी ने पेनल्टी शूटआउट में 4–3 से जीत दर्ज की। फ्री मारेस्का की टीम ने इससे पहले सितंबर में नॉर्विच सिटी को 5–0 से हराया था। इसका मतलब है कि क्लब के पास पिछले साल मार्च में वेम्बली में जीती गई अपनी ट्राफी को बचाने का मौका अब भी बरकरार है।

पदोन्नति, वेतन विसंगति समेत सहित 6 सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारियों ने कलेक्टरेट तक निकाली रैली, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

कोरबा, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ के आह्वान पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिले के पटवारियों ने अनिश्चितकालीन आंदोलन के तहत घंटाघर से रैली निकाली और कलेक्ट्रेट पहुंचकर घेराव किया। इस दौरान पटवारियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की।

आंदोलन के दौरान पटवारी संघ ने राजस्व निरीक्षक के पद पर पदोन्नति देने, वेतन विसंगति दूर करने, अतिरिक्त प्रभार देने की व्यवस्था बंद करने, पीबी ऐप बंद करने, ओवरटाइम काम कराने पर रोक लगाने तथा डीसीसी बंद करने सहित विभिन्न मांगें उठाईं। संघ का कहना है कि पटवारी लंबे समय से अपनी समस्याओं के निराकरण की मांग कर रहे हैं। कार्य संबंधी अतिरिक्त जिम्मेदारियों और अन्य व्यवस्थाओं के कारण पटवारियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में शासन को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर उचित निर्णय लेना चाहिए।

चक्रवाती तूफान एआरएनएबी की चेतावनी का असर: आज कोरबा में भी स्कूल कॉलेजों के पट रहेंगे बंद, कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जारी किया आदेश

कोरबा (आरएनएस)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा बंगाल की खाड़ी में विकसित चक्रवाती तूफ़न एआरएनएबी के संबंध में जारी चेतावनियों तथा जिले में संभावित वर्षा, तेज हवाओं और अन्य प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों को देखते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए एहतियाती कदम उठाया गया है।

कलेक्टर एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष कुणाल दुदावत ने आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत प्राप्त शक्तियों और संबंधित शासन निर्देशों के अनुरूप आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, जिला कोरबा की सीमा में संचालित समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य संबंधित शैक्षणिक संस्थानों में आज 29 अक्टूबर 2026 को विद्यार्थियों के लिए एहतियातन अवकाश घोषित किया गया है। जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है।

बिजली कर्मचारियों को दीपावली से पहले मिलेगा 12 हजार बोनस

कोरबा, (आरएनएस)। राज्य बिजली कंपनी के कर्मचारियों को दीपावली से पहले अधिकतम 12 हजार रुपये बोनस मिलेगा। वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए कंपनी ने बोनस और अनुग्रह राशि का आदेश जारी कर दिया है। हालांकि, बोनस की राशि को लेकर कर्मचारी संगठन ने असंतोष जताते हुए प्रबंधन से पुर्नर्विचार की मांग की है।

छत्तीसगढ़ राज्य बिजली ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 21 हजार रुपये तक मासिक वेतन पाने वाले पात्र कर्मचारियों को 8.33 प्रतिशत की दर से अधिकतम 12 हजार रुपये बोनस दिया जाएगा। वित्तीय वर्ष में कुछ माह ही नियोजित रहे कर्मचारियों को उनकी सेवा अवधि के अनुपात में अनुग्रह राशि मिलेगी। वहीं 21 हजार रुपये से अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन स्वरूप 12 हजार रुपये देने का प्रावधान किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष अनिल द्विवेदी ने बोनस राशि को कर्मचारियों के लिए निराशाजनक बताया है। उन्होंने कहा कि बिजली कंपनी के कर्मचारी पूरे वर्ष उत्पादन, पारेषण और आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

<p>इतने सालों में उनके बनाए रिश्तों की बहुत तरीफ हुई है। कार्ल हॉपकिंसन 2025 सीजन से पहले मुंबई इंडियंस में शामिल हुए। वे इंग्लैंड की पुरुष टीम के साथ अपने समय से कीमती इंटरनेशनल अनुभव लेकर आए। टीम के फील्डिंग स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने के लिए उनके पेशेवर रवैये, विशेषज्ञता, और प्रतिबद्धता को फेंचाइजी के साथ उनके पूरे समय में महत्व दिया गया है।</p> <p>मुंबई इंडियंस टीम और बड़े एमआई परिवार में उनके योगदान के लिए लसिथ, पारस और कार्ल का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं। उनका प्रतिबद्धता, उनके बनाए रिश्ते और जो यार्द बनाने में उन्होंने मदद की है, वे हमेशा हमारी यात्रा का हिस्सा रहेंगे। हम उनमें से हर एक को उनके भविष्य की कोशिशों के लिए शुभकामनाएं देते हैं। मुंबई इंडियंस में लसिथ मलिंगा और पारस म्हाम्ब्रे गेंदबाजी कोच थे, जबकि कार्ल हॉपकिंसन फील्डिंग कोच के पद पर थे।</p>	<p>भारत के खिलाफ सीरीज के बीच न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, आखिरी दो टी-20 से बाहर हुए लॉकी फर्ग्युसन</p> <p>नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज में लगातार हार से जूझ रही न्यूजीलैंड की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। टीम के स्टाफ तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन चोट के कारण सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह मैट फिशर को टीम में शामिल किया गया है। फर्ग्युसन के बाहर होने से न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण को बड़ा झटका लगा है। वहीं, चोटिल मैट हेनरी की उपलब्धता भी लेकर भी अभी अनिश्चितता बनी हुई है।फर्ग्युसन को दूसरे टी-20 मुकाबले के दौरान दाएं पिंडली में परेशानी महसूस हुई थी। इसके बाद कराए गए स्कैन में मांसपेशियों में हल्का खिंचाव सामने आया। उन्हें पूरी तरह फिट होने में कम से कम एक सप्ताह और लग सकता है। हालांकि, टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह वनडे सीरीज शुरू होने से पहले चोट से उबर जाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मैट हेनरी की चोट को लेकर भी जानकारी दी है। दूसरे टी-20 मैच के दौरान हेनरी की जांच में परेशानी हुई थी। उनके पूरी तरह ठीक होने में एक से दो सप्ताह लगने का अनुमाना है।</p>
---	--

नर्मदांचल की राजनीतिक हलचल

नगर पालिका चुनाव की सुगबुगाहटे

भाजपा से दो दर्जन तो कांग्रेस से भी एक दर्जन से कम नहीं हैं दावेदार

आधी दर्जन निर्दलीय भी मारेंगे जोर, पूर्व और वर्तमान पार्षदों की भी बढ़ रही है लालशा

नर्मदापुरम (बलराम शर्मा)। वर्तमान नगर पालिका परिषद का कार्यकाल एक वर्ष से भी कम बचा है। इसलिए नपा चुनाव की सुगबुगाहटें तेज होना शुरू हो गई हैं। नपाध्यक्ष के जलवे और नगर पालिका में अध्यक्ष पद के वर्चस्व तथा बजट को देखते हुए दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों भाजपा और कांग्रेस के अलावा निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ने वालों की संख्या इस बार ज्यादा रहेगी। हालांकि अध्यक्ष पद के आरक्षण और अनारक्षण की स्थिति सामने आने पर ही दावेदारों की पूरी मनोदशा बनेगी। सामाजिक वोट बैंक के अनुसार भी अनेक समाजों के समाजसेवी भी चुनाव लड़ने की मानसिकता बनाने लगे हैं। अनेक विधायक बनने का स्वप्न देखने वाले भी नपाध्यक्ष पद के लिए ललायित हो जाते हैं। हर वार्ड से दावेदार हैं। ज्यादातर दावेदारों की इच्छा है कि वर्तमान में महिला लिए पद आरक्षित रह चुका है। अब आने वाले चुनाव में पद अनारक्षित होने की संभावना मान कर ही कई दावेदारों के मन में उत्कंठा बनी हुई है। सबसे ज्यादा भाजपा में दावेदार माने जा रहे हैं। क्योंकि भाजपा में नेताओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों मंडलों में सक्रियता दिखाने वाले कार्यकर्ता और लंबे समय से पार्टी में समय देने वाले भी नगर पालिका चुनाव में दावेदारी ठोंकेंगे। टिकिट को लेकर भले ही

गुटबाजी हावी हो लेकिन नेता भी अपने अपने गुट से संबंधित कार्यकर्ताओं को टिकिट दिलवाने का प्रयास करेंगे। इसलिए अनेक कार्यकर्ता अपने नेता के प्रति कुछ ज्यादा समय देते हुए निष्ठा साबित करने का प्रयास करने में जुटे हुए हैं।

नपा चुनाव में भगदड़ मचने के आसार

दोनों ही प्रमुख दलों में अनेक लोग चुनाव में टिकिट की दावेदारी करेंगे। एक अध्यक्ष पद और 33 पार्षदों के लिए टिकिट देने के दौरान पार्टी को भी नाम तय करने में पसीना छूट जाता है। क्योंकि बहुत अधिक लोग दावेदारी करते हैं। करें भी क्यों नहीं वर्षों से पार्टी में लगे रहने के बाद पांच वर्ष में चुनाव आते हैं तो पार्टी से टिकिट की अपेक्षा तो रहती ही है। जब पार्टी आशासन के बाद भी टिकिट नहीं दे पाती है तो अनेक दावेदार मन मसोस कर रह जाते हैं तथा कुछ ऐसे भी होते हैं कि पार्टी को ही अलविदा कह कर दूसरे दलों में जाना उचित समझते हैं ऐसा चुनावों के दौरान ज्यादा होता है। आने वाले चुनाव में भी ऐसे ही आसार हैं। क्योंकि बहुत सारे लोग उम्मीद लगाए हुए बैठे हैं। उन्हें निराश किया तो वे चले जाएंगे।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवम्बर को मनाया जाएगा

जिला स्तरीय कार्यक्रम के आयोजन के लिए कलेक्टर आशीष तशिफ ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

नर्मदापुरम(निप्र)। 1 नवम्बर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस मनाया जाएगा। कार्यक्रम आयोजन के लिए कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल एवं सुचारु आयोजन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान बताया गया कि 1 नवम्बर को पुलिस परेड ग्राउंड नर्मदापुरम में मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा इस अवसर पर स्कूली छात्र-छात्राओं द्वार राष्ट्रीय गान एवं मध्य प्रदेश गान का गायन भी किया जाएगा। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कलेक्टर सिटी वशिष्ठ ने निर्देशित किया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए स्कूली बच्चों को उचित पुरस्कार भी वितरित किए जाएं कलेक्टर ने सर्वसंबंधित विभागों के अधिकारियों को लिए सौंपे गये दायित्वों का पालन करना निर्देशित किया है कि वे कार्यक्रम आयोजन के



31 अक्टूबर 2026 को मनाया जायेगा राष्ट्रीय एकता दिवस

एकता, अखंडता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने का संकल्प लिया जाएगा

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में 31 अक्टूबर राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में समीक्षा बैठक कर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए राष्ट्रीय एकता दिवस पूर्ण गौरव से मनाए जाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान बताया गया कि राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर 2026 को रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में जिलेभर में एकता, अखंडता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 31 अक्टूबर को जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में आमजन की सहभागिता से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। साथ ही स्कूलों में निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी एवं विभिन्न स्थानों पर सरदार पटेल फोटो प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा।

22 नवंबर से 26 नवंबर तक लगेगा बांद्राभान का मेला

कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

नर्मदापुरम(निप्र)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी कार्तिक मास की पूर्णिमा के अवसर पर 22 नवंबर से 26 नवंबर तक तवा और नर्मदा नदी के संगम पर बांद्राभान का मेला आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में मेले की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि मेले में वाहनों एवं ट्रैफिक के बेहतर प्रबंधन के लिए ट्रैफिक एवं परिवहन विभाग कार्ययोजना तैयार करें। मेले के पास वाहनों की पार्किंग के लिए मार्किंग की जाए। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नर्मदापुरम को निर्देश दिए कि बांद्राभान मेले के लिए बस, मिनी बस, ऑटो सहित अन्य वाहनों के यात्री किराएं का शीघ्र निर्धारण करें। साथ ही उन्होंने ईई पीएचई नर्मदापुरम को मेला स्थल पर शुद्ध पेयजल व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिए। साथ ही पानी की शुद्धता की जांच एवं क्लोरीनेशन करने के भी निर्देश दिए। मेला स्थल पर चलित शौचालय की व्यवस्था किए जाने के निर्देश भी बैठक के दौरान दिए गए। मेले के दौरान निकलने वाले कचरे के उचित निष्पादन के लिए कचरा वाहन के सतत संचालन के निर्देश दिए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मेला स्थल पर महिलाओं



के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मेला स्थल पर नियमित साफ सफाई की जाए। साफ सफाई के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाएं। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने मेला स्थल पर व्यवस्थित मार्किंग कर बैरीयैडिंग किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग और अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेला स्थल पर आने जाने वाले मार्ग पर आवश्यक मरम्मत एवं झाड़ियों को हटाने की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि बांद्राभान तक सभी पहुंच मार्ग की मरम्मत कर सुचारु बनाया जाए। उन्होंने कहा कि मेला अवधि के दौरान जनपद, होमगार्ड एवं पुलिस के एक संयुक्त कंट्रोल रूम का संचालन किया जाए। उन्होंने मेला स्थल पर वांच टावर भी लगाने के निर्देश दिए ताकि मेला स्थल पर स्नान करने वाले लोगों की सतत निगरानी की जा सके। उन्होंने अनाउंसमेंट सिस्टम और ट्रैफिक प्रबंधन के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मेला स्थल पर चिकित्सकों की राउंडवार ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। ताकि 24 घंटे मेले में चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध रहे। उन्होंने एमपीईबी को निर्देशित किया कि मेला अवधि के दौरान विद्युत का अस्थायी कनेक्शन दिया जाए। सभी कनेक्शन के सुरक्षा चैक आवश्यक रूप से सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने ये निर्देश भी दिए कि मेले में आने वाले झुलों का भी पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सुरक्षा जांच की जाए जवताया गया कि मेला अवधि के दौरान तवा बांध से पानी नहीं छोड़ा जाएगा। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने आवश्यक टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला, एडिशनल एसपी अभिषेक राजन सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

माय भारत नर्मदापुरम द्वारा ‘युवा संवाद’ कार्यक्रम आयोजित, ‘अपने वोट को जानो’ विषय पर युवाओं को किया जागरूक



नर्मदापुरम (निप्र)। माय भारत नर्मदापुरम तोमर और युवा आइकन कृष्णिका अग्रवाल भी मौजूद रहें। जिला युवा अधिकारी नितेश जिंदल और मतदान के महत्व को लेकर युवा संवाद ने युवाओं को मतदान के महत्व, मतदाता अधिकारों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को जागरूक कार्यक्रम में सांसद दर्शन सिंह चौधरी मुख्य रूप नागरिक बनकर लोकतंत्र को मजबूत करने में से उपस्थित रहे। साथ ही खेल आइकन हर्षिता सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित

अंतरराष्ट्रीय खेल उपलब्धियों से चमके द चैम्प्स फन स्कूल एवं स्पिंगेडैल्स स्कूल के पूर्व विद्यार्थी, विद्यालय ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

नगर के तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ी हर्षिता तोमर, आध्या तिवारी और यश बाथरे की सफलता ने बढ़ाया देश, प्रदेश और विद्यालय का गौरव

नर्मदापुरम (निप्र)। द चैम्प्स फन स्कूल एवं स्पिंगेडैल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नर्मदापुरम के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है कि विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर देश, प्रदेश और विद्यालय का मान बढ़ाया है। इन उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए विद्यालय परिवार द्वारा तीनों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का अभिनंदन कर उनकी सफलता पर हर्ष व्यक्त किया गया। द चैम्प्स फन स्कूल की पूर्व छात्रा हर्षिता तोमर ने सेलिंग में कांस्य पदक जीतकर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया। वहीं आध्या तिवारी ने सांप्ट टेनिस में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इसी क्रम में यश बाथरे ने पेंटाथलॉन खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीनों खिलाड़ियों की उपलब्धियां उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास का प्रतिफल हैं। प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, हमारे पूर्व विद्यार्थियों की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियां पूरे विद्यालय परिवार के लिए अपार गर्व और प्रसन्नता का विषय हैं। हर्षिता, आध्या और यश ने यह सिद्ध किया है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के साथ किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उनकी सफलता हमारे वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। हमें विश्वास है कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों से विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी और वे भी अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरे उत्साह एवं समर्पण के साथ प्रयास करेंगे। इन प्रतिभाओं की सफलता विद्यालय की उस शैक्षिक सोच को भी सार्थक करती है, जिसमें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उनकी विशिष्ट प्रतिभाओं को निखारने पर विशेष बल दिया जाता है। डायरेक्टर डॉ. आशीष चटर्जी ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करना किसी



भी खिलाड़ी के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इस यात्रा में उनके संघर्ष और परिश्रम का हम सम्मान करते हैं। हमें गर्व है कि हर्षिता, आध्या और यश ने अपनी प्रतिभा एवं मेहनत से विद्यालय का नाम रोशन किया है।

उनकी उपलब्धियां यह संदेश देती हैं कि सही मार्गदर्शन, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति से सफलता के नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं। विद्यालय सदैव विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानकर आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालय परिवार ने तीनों पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, निरंतर प्रगति और आने वाली प्रतियोगिताओं में नई सफलताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय का मानना है कि विद्यार्थियों की उपलब्धियां केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे देश और उनसे जुड़े संस्थान के लिए सम्मान और प्रेरणा का विषय होती हैं। अपने उद्बोधन में हर्षिता एवं आध्या ने विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार के मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु आशासन दिया। इस अवसर पर उनके पिता देवेन्द्र सिंह तोमर, दीपक तिवारी एवं बाथरे के पिता का सम्मान भी शाला परिवार द्वारा किया गया।

बालिकाओं के लिए निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षा तैयारी हेतु सशक्त वाहिनी अभियान

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम आशीष वशिष्ठ के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति – बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सशक्त वाहिनी अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बालिकाओं और युवतियों को विशेषकर पुलिस भर्ती परीक्षा सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क मार्गदर्शन कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। कक्षाएं शासकीय पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्ससीएस और शासकीय गृह विज्ञान कन्या महाविद्यालय नर्मदापुरम में संचालित हो रही हैं। इच्छुक बालिकाएं वन स्टॉप सेंटर, शासकीय पीएम श्री (नर्मदा) महाविद्यालय के सामने, नर्मदापुरम में 16 नवंबर 2026 तक आवेदन जमा कर सकती हैं। आवेदिका की आयु 18 वर्ष पूर्ण होना और कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

नर्मदापुरम में आबकारी विभाग की सघन कार्रवाई, 13 प्रकरण दर्ज, डेढ़ लाख से अधिक की सामग्री जब्त



विदेशी और 30 क्वार्टर देशी मदिरा जब्त की गई, जिसकी कीमत लगभग 4,300 रुपये है। इसके अलावा सोहागपुर और इटारसी शहर में की गई अन्य दबिश कार्रवाई में 8 प्रकरण कायम किए गए। इनमें लगभग 1380 किलो महुआ लाहन और 50 लीटर कच्ची हाथभट्टी मदिरा जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1,47,000 रुपये आंकी गई कुल 13 प्रकरणों में कार्रवाई की गई। इस अभियान में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेश अहिरवार, अशोक माहौर, राहुल ढोके, अभिलाष पाठक, आबकारी उपनिरीक्षक के.के. पड़रिया, हितेश बिसोरिया, आर.पी. निमोदा, मुख्य आरक्षक दुर्गा प्रसाद मांझी, मदन रघुवंशी, दुर्गेश पठारिया और आरक्षक सुरेश सिकेरिया, धर्मेन्द्र, बोबड़े, माया, रौनक, कंचना, सारिका का योगदान रहा।